राहुल गांधी बोले- अब तो.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

हुंकार शोषण के खिलाफ अनीत... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 167 | गाजियाबाद / शनिवार 19 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

पेपर लीक रोकने के क्या इंतजाम हुए, जांचेगा सुप्रीम कोर्ट

जज एनटीए दफ्तर जाएंगे,एजेंसी ने कहा था-एग्जाम सिस्टम फुलप्रूफ बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर नीट परीक्षा सिस्टम की जांच के लिए जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के ऑफिस का दौरा करेंगे। वे देखेंगे कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने के इंतजाम वास्तव में काम कर रहे हैं या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की बेंच यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेमा और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इसमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक

रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। इससे पहले सरकार ने 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। कोर्ट ने एनटीए को अपने सुधारों और अब तक हुई प्रगति का ब्योरा वेबसाइट पर डालने का निर्देश दिया है। इससे परीक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों की जानकारी सार्वजनिक होगी। एनटीए के लिए पर्याप्त स्थायी कर्मचारी और विशेषज्ञ स्टाफ रखने की जरूरत पर चर्चा हुई।

डिजिटल परीक्षा चरणबद्ध तरीके से होगी

कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे धीरे-धीरे लागू करना होगा, ताकि नई व्यवस्था में परेशानी न हो। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा सुधारों को लेकर वकील और राज्य अपने सुझाव तय ई-मेल के जरिए भेज सकते हैं। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा। केंद्र ने कोर्ट को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली हाई-पावर्ड पैनल की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमला

कार के शीशे तोड़े

गुरदासपुर (एजेंसी)। पंजाब में बीजेपी की नशा मुक्त रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया। बिट्टू शुक्रवार को अमृतसर से पठानकोट में यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बिट्टू ने कहा कि बटाला (गुरदासपुर) के पास काफिले को घेरा गया। इसके बाद हमला कर गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। उन पर टमाटर और अंडे फेंके गए। पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को वाय+ सिक्योरिटी

मिली हुई है। माहौल बिगड़ते देख उनके सुरक्षाकर्मी तुरंत उन्हें एक घर में ले गए। बिट्टू ने आरोप लगाया कि फतेहगढ़ चूड़ियां से एएपी के हलका इंचार्ज जोबन रंधावा के समर्थकों ने लंगर की आड़ में उन पर हमला किया है। उन्होंने 2 आरोपियों को भी पकड़ा। इस पर बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी डरी हुई है। घबरा गई है। इसलिए रवनीत बिट्टू पर हमला हुआ। सोचिए एक वाय+ सिक्योरिटी वाले और पूर्व मंत्री के साथ ऐसा हो सकता है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा, ये पंजाब का लॉ एंड ऑर्डर भी दिखाता है। पंजाब की सभी 117 सीटों को कवर करने वाली भाजपा की 4 हजार किमी लंबी नशामुक्त यात्रा शुक्रवार से पठानकोट से शुरू हो गई है। जिसे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रवाना किया।

राहुल उवाच, वोट चोरी के बाद अब पार्टी की चोरी

- राहुल बोले-यह सिर्फ ममता बनर्जी की लड़ाई नहीं बची है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के आदेश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है। वोट चोरी और सरकार चोरी के बाद अब पार्टी चोरी हो रही है।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा- पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही पैटर्न- बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं। फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। उन्होंने लिखा-जब पूरी की पूरी पार्टी चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं। वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी - ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। 21 जून 2022 को शिवसेना में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट अलग हुए थे। इसी तरह 2 जुलाई 2023 को एनसीपी में शरद पवार और अजित पवार गुट अलग हुए थे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहाकि बीजेपी ने असंवैधानिक रूप से टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न पर कब्जा कर लिया है। यह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की ओर से मोदी जी को देर रात दिया गया जन्मदिन का तोहफा है।

धर्म रिलीजन नहीं, जीवन का अनुशासन है

भागवत बोले-प्राण बचाने के लिए भी इसे न छोड़ें

उज्जैन में धर्म संसद में 1700 स्टूडेंट रहे मौजूद

उज्जैन (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उज्जैन में युवा धर्म संसद में संवाद किया है। संवाद के दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म और रिलीजन मतलब समझाया है। उन्होंने धर्म हमें मुक्त करता है और रिलीजन बांधता है। हमें धर्म को मानना है। संघ प्रमुख ने कहा कि पाश्चत्य तरीके से खेती करने की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। मोहन भागवत ने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने के ग्रंथ है, लेकिन ऐसा नहीं है। धर्म अस्तित्व के प्रारंभ से लेकर अंत तक रहता ही है और सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। आप इसको मानो या मत मानो।

हम जिएंगे सबको जिलाएंगे, यही है संदेश

मोहन भागवत ने कहा कि हम जिएंगे और सबको जिलाएंगे। भारत धर्मप्राण देश है। हम आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा बनेंगे लेकिन हमारा ये गंतव्य नहीं है ये पड़ाव है। अपने यहां सेक्युलर शब्द लागू नहीं होता है। हमारे यहां राज्य भेदभाव नहीं करता है। सबका सम्मान करता है। हम लक्ष्मी जी के उपासक हैं।

हमारे संदर्भों में सेक्युलर लागू नहीं होता

संवाद में संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे यहां सेक्युलर लागू नहीं होता है। भारत में जब भी भारतीयों का राज्य रहा, यहां राज धर्म के आधार पर ही चला है। पश्चिम में एक देश है जो हमें बार-बार परेशान करता है। लेकिन हम कुछ नहीं करते हैं। दुनिया के संघर्षों के बीच में हम नहीं पड़े है। हमने संकट के समय लोगों की मदद की है। किसी भी विचारधारा की सरकार हमारे देश में रही हो लेकिन हम लोगों ने मदद की है। क्योंकि हमारे जिन में धर्म है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुदेव रानाडे, एक इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में डीन ऑफ फिलॉसफी हो गए, साक्षात्कारी महापुरुष थे। वो कहते थे कि हर धर्म के ऊपर एक और धर्म है। उस रिलीजन को देखकर ये रिलिजन चलेंगे तो ठीक रहेगा। क्योंकि उनके समय अंग्रेजी भाषा में धर्म के लिए कोई समय, कोई शब्द नहीं रहा। आज भी नहीं है। उस समय हमारे देश पर अंग्रेज़ों का राज था और जिनको समझाना थे कि हमारी विरासत श्रेष्ठ है।

भारत के हर शहर में धर्मशाला बनवाया

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पहले भी बिजनेस किया। सालों से करते आ रहे हैं। उन लोगों ने धर्मदाय किया है। शहरों में लोगों के लिए धर्मशाला बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बुद्धि से कमाओ और लोगों में भी बांटों। अपने जीवन को चलाओ लेकिन दूसरों को कष्ट नहीं हो। तुम्हारा जीवन चलेगा तो सबका जीवन चलेगा।

पाकिस्तान में जुमे की नमाज के दौरान धमाका

मस्जिद में 15 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को भीषण बम ब्लास्ट हुआ है। कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके की मस्जिद को धमाके का निशाना बनाया गया। इसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा

घायल हुए हैं। ये धमाका दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के समय हुआ। जुमे की वजह से मस्जिद के अंदर और बाहर काफी भीड़ थी। इसके चलते ब्लास्ट से बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। घायलों में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अस्पताल के डॉक्टर ताहिर अली शाह ने जानकारी दी।

अब 'ममता टीएमसी' होगा ममता बनर्जी की पार्टी का नाम

- बागी गुट को 'डेमोक्रेटिक टीएमसी' नाम मिला,6 अक्टूबर को उपचुनाव नए सिंबल से लड़ेंगे

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाला मूल चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। यह अंतरिम व्यवस्था है।

गुरुवार को फ्रीज हुआ था दो फूल वाला सिंबल

गुरुवार को चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों के दावों पर विचार किया था। करीब एक सप्ताह पहले भी आयोग ने ममता बनर्जी गुट और रितब्रत बनर्जी से दावों के समर्थन में दस्तावेज देने को कहा था। रितब्रत बनर्जी ने दावा किया था कि टीएमसी के संविधान के मुताबिक, ममता बनर्जी का अध्यक्ष पद का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका था। अब नई कार्यकारिणी ने अरुप रॉय को अध्यक्ष चुना है। ममता बनर्जी ने गुट ने कहा कि पार्टी के संविधान के मुताबिक ममता बनर्जी ही पार्टी की अध्यक्ष हैं। उनके पास ही नई कार्यकारिणी और पदों पर नियुक्ति का अधिकार है।

रणवीर सिंह ने लिया 1000 बेटियों की पढ़ाई का संकल्प

- लालबागचा राजा पहुंचे थे; बोले-आशा है, इससे बप्पा प्रसन्न होंगे

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर रणवीर सिंह ने मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 1000 बेटियों की शिक्षा में मदद करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बप्पा का आशीर्वाद लेकर आगे के सफर के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। एक इंटरव्यू में रणवीर ने कहा,बहुत अच्छा लग रहा है यहां आकर। जो पिछला साल गुजरा है, मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए खुशियों से भरा रहा, बप्पा की कृपा से। तो यहां आए हैं उनके दर्शन करने, उनको धन्यवाद कहने और उनका आशीर्वाद लेने, आगे के सफर के लिए, जीवन के सफर के लिए।

जी-20 देशों में सबसे आगे होंगे 'हिंदुस्तानी'

- इस साल सबसे तेज बढ़ सकती है 'भारतीय' अर्थव्यवस्था
- मूडीज ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 से 7 फीसदी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल त20 देशों में सबसे तेज बढ़ सकती है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यह अनुमान लगाया है। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। मूडीज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में तनाव और संघर्ष के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका असर अनुमान से काफी कम पड़ा है। मजबूत घरेलू खपत, इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में सुधार के संकेत लगातार मजबूत बने हुए हैं।

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई अभी भी चिंता का विषय

मूडीज ने चेतावनी दी है कि भले ही जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया गया है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार बजट घाटा कम करने के अपने लक्ष्य पर कायम है। सरकार इसे पिछले साल के 4.4 फीसदी से घटाकर वित्त वर्ष 2026-27 में 4.3 फीसदी करना चाहती है। हालांकि ऊर्जा क्षेत्रमें राहत देने के लिए ज्यादा सब्सिडी देनी पड़ सकती है।

घरेलू मांग और सर्विस सेक्टर बने ग्रोथ के मुख्य पिलर

मूडीज के मुताबिक, भारत की इस तेज ग्रोथ की सबसे बड़ी वजह देश में बढ़ती मांग है। लोगों का खर्च बढ़ा है और कंपनियों के निवेश में भी तेजी बनी हुई है। कंपनियों और प्राइवेट सेक्टर की ओर से नए निवेश के संकेत मिलने लगे हैं। वहीं, सर्विस सेक्टर भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से उबरने में मदद मिली है। मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बीएए3 पर बरकरार रखी है। साथ ही, देश का आउटलुक 'स्टेबल' यानी स्थिर रखा है।

मनु भाकर और तेजिंदर तूर होंगे भारतीय दल के ध्वजवाहक

एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी आज, जापान में हो रहे हैं गेम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार निशानेबाज मनु भाकर और शॉटपुट में गत चैंपियन तेजिंदर पाल सिंह तूर को एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में

भारत के ध्वजवाहक होंगे। एशियन गेम्स में इवेंट्स की शुरुआत हो गई है लेकिन अभी ओपनिंग सेरेमनी नहीं हुई है। ओपनिंग सेरेमनी के बाद मेडल इवेंट होंगे। 20वें एशियाई खेल जापान के आइची प्रान्त और नागोया में हो रहे हैं। भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने कहा कि मनु भाकर एक ध्वजवाहक होंगी। इसके बाद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने पुष्टि की कि तूर दूसरे ध्वजवाहक होंगे। 24 साल की मनु भाकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए दो मेडल जीते थे। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत के साथ ही मिक्स्ड टीम का ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 31 साल के तूर एशियन गेम्स में शॉट पुट के दो बार के डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

496 भारतीय एथलीट एशियन गेम्स में उतरेंगे- 19 सितंबर को एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन पालोमा मिजुहो स्टेडियम में किया जाएगा। यह मल्टी स्पोर्ट्स स्टेडियम है। इसकी क्षमता 30 हजार दर्शकों की है और यहां एशियन गेम्स के एथलेटिक्स के भी इवेंट होंगे।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी

चीन में बनी 2 ग्रेनेड, एक पिस्तौल-गोलियां बरामद; 4 दिन पहले 3 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राजौरी पुलिस ने गुरुवार को 4 दिन पहले गिरफ्तार किए गए 3 आतंकी मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक पिस्तौल, मैगजीन और गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा 2 चीनी ग्रेनेड भी मिले। दरअसल, पुलिस ने 14 सितंबर को आतंकियों की मदद करने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी कोट चरवाल के रहने वाले हैं। उनकी पहचान मोहम्मद आजम, जाकिर हुसैन

और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आतंकियों को पनाह देने के साथ उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद करते थे।

एफआईआर नंबर की जांच के दौरान मॉड्यूल का पता चला- पुलिस के मुताबिक, राजौरी के धरमसाल थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 95/2026 की जांच के दौरान इस मॉड्यूल का पता चला। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। उन्होंने आतंकियों को रहने की जगह दी और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद की। आरोपियों ने 2023 में रियासी के चसाना में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों की भी मदद की थी। जांच में यह भी पता चला कि उन्होंने कई आतंकी समूहों को रहने की जगह और दूसरी जरूरी मदद दी। आरोपियों ने आतंकियों की मदद की थी।

पाकिस्तान में बैठे 2 आतंकियों की संपत्ति अटैच

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कुपवाड़ा में पाकिस्तान में रह रहे 2 आतंकियों से जुड़ी संपत्तियां अटैच की हैं। पुलिस के मुताबिक, कुपवाड़ा के कचामा में 15 कनाल 7 मरला जमीन और 2 मकान अटैच किए गए हैं। ये संपत्तियां अब्दुल मजीद कुरैशी और परवेज अहमद कुरैशी के नाम पर दर्ज हैं। दोनों कचामा के रहने वाले हैं और पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक फिलहाल पाकिस्तान में रहकर आतंकी गतिविधियां चला रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने इन संपत्तियों को अटैच करने की मंजूरी दी है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में 16 सितंबर की रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया था। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की थी। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

आश्वासन के बाद किसानों का धरना प्रदर्शन खत्म, मुख्य सचिव स्तर की होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पर एक सप्ताह से चल रहा किसान संघर्ष मोर्चा का धरना गुरुवार को आश्वासन के बाद खत्म हो गया। 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव स्तर की वार्ता होगी। किसान 10 फीसदी आबादी भूखंड की मांग पर अड़े हैं और उन्होंने मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। किसान संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों और नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के सीईओ, जिलाधिकारी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त के बीच करीब तीन घंटे बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने बताया कि 21 सितंबर तक प्राधिकरण और किसान नेता 10 फीसदी आबादी भूखंड समेत अन्य मुद्दों पर जरुरी तैयारी पूरी करेंगे। इसके बाद 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव और औद्योगिक विकास आयुक्त स्तर पर वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि वार्ता सकारात्मक रहने पर मुख्यमंत्री स्तर पर अंतिम वार्ता कराने का प्रस्ताव है। किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर 6 अक्टूबर से फिर आंदोलन किया जाएगा।

सभी दवा दुकानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल स्टोर पर बिना पर्चे के दवाओं की बिक्री रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया गया है। प्रस्ताव के तहत मेडिकल स्टोर पर होने वाली दवा बिक्री की निगरानी कैमरों के माध्यम से की जा सकेगी। खास तौर पर अनुसूची एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर नजर रखी जाएगी। इन दवाओं को वैध चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही बेचा जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदे पर आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां व सुझाव मांगे हैं। प्रस्ताव लागू होने के बाद दवा दुकानों पर कैमरों के जरिए बिक्री प्रक्रिया की निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

अधिकारी की मेज पर कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता पर मामला दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के विरोध में नगरपालिका के एक अधिकारी के कक्ष में जबरन घुसकर उनकी मेज पर बोरियों से निकालकर दो कुत्ते छोड़ने वाले शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस घटना के दौरान कुत्तों के साथ किए गए व्यवहार से आहत हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निकाय के अधिकारियों की निष्क्रियता को उजागर करने के लिहाज से वे सही थे, फिर भी ऐसे कृत्यों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। निफाड थाने के अधिकारी ने बताया कि एक लोक सेवक के आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालने के आरोप में विक्रम रंधावे और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इन लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता के संबंध में भी मामला दर्ज किया है, क्योंकि प्रदर्शनकारी कुत्तों को बोरियों में लेकर आए थे।

अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की हत्या, आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर(एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में बीती रात ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) हरजीत सिंह की गोली मारकर हत्या की गई। हरजीत बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गंभीर रूप से घायल हरजीत को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। यह वारदात रात करीब 2:30 बजे हुई, जब एएसआई सिंह दाना मंडी के पास बाइक पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी बाइक पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने दाना मंडी के गेट नंबर दो के बाहर उनकी गर्दन में गोली मार दी। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल हरजीत को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से हमलावरों का पता लगाने में जुटी है। हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नाम के आतंकी संगठन ने लेने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि अमृतसर में पहले भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जा चुका है। कुछ महीने पहले मजीठा क्षेत्र में एएसआई जोग सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और 11 सितंबर को अजनाला इलाके में एएसआई जसवंत सिंह पर हमला हुआ था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। उन हमलों की जिम्मेदारी भी टीटीएच ने ही ली थी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एएसआई हरजीत सिंह की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि सिंह की बहादुरी और ड्यूटी के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा।

कुंभ मेला तैयारियों को लेकर एडीजी ने हरिद्वार में की समीक्षा, सुरक्षा व्यवस्था समय से पूरा करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन हरिद्वार पहुंचे। उन्होंने सीसीआर स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अब तक की गई तैयारियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने सभी योजनाओं को अंतिम रूप देते हुए निर्धारित समय सीमा में तैयारियां पूरी करने तथा संबंधित विभागों और सीमावर्ती जनपदों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला आयुष अग्रवाल ने अब तक की तैयारियों और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया। इसके बाद एडीजी ने कुंभ मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, आपातकालीन योजना, संचार व्यवस्था, डिजिटल तकनीक के उपयोग और चरणवार पुलिस बल की तैनाती को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला विश्व का प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन है। मेले को निर्विघ्न और सुरक्षित संपन्न कराना तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाओं के साथ त्रुटिरहित सुरक्षा उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। समीक्षा बैठक के बाद एडीजी ने अधिकारियों के साथ कुंभ मेला क्षेत्र का स्थलीय भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने एटीसी पहुंचकर कुंभ मेला प्रशिक्षण ले रहे जवानों से भी संवाद किया तथा प्रशिक्षण की जानकारी ली। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. नीलेश आनंद भरणे, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक कुंभ मेला डॉ. योगेंद्र सिंह रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के वीजा नियमों में बदलाव, छात्र साथ नहीं ले जा सकते पार्टनर और बच्चे, भारतीयों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश के अस्थायी वीजा नियमों में बड़े और कड़े बदलावों का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत अब अधिकांश विदेशी छात्र अपने पार्टनर या बच्चों को डिपेंडेंट वीजा पर अपने साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं ला सकते है। इस फैसले से सबसे बड़ा झटका भारतीय छात्रों को लगने की आशंका है, क्योंकि अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच दूसरा सबसे पसंदीदा देश है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों में बिजनेस, आईटी, इंजीनियरिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों की पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या 1.38 लाख से अधिक है, जो वहां के कुल विदेशी छात्रों का करीब 16 प्रतिशत हिस्सा है। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्री टोनी बर्क द्वारा घोषित इन सख्त उपायों का मुख्य उद्देश्य देश में अस्थायी प्रवासन (माइग्रेशन) को नियंत्रित करना और वर्ष 2027-28 तक नेट ओवरसीज माइग्रेशन को घटाकर 225,000 के लक्ष्य तक लाना है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का कदम अंतरराष्ट्रीय छात्रों, वर्किंग-हॉलिडे वीजा धारकों और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में अवैध रूप से जमे रहने वाले लोगों पर शिकंजा कसने के लिए उठाया गया है। हालांकि, इस नीति में कुछ विशेष अपवाद भी रखे गए हैं। नई व्यवस्था के तहत पैसिफिक और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के छात्रों को परिवार के लिए वीजा की सुविधा मिलती रहेगी, और पीएचडी (पीएचडी) जैसे उच्च शोध कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्र भी अपने परिवार को साथ रख सकते है।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशी को पुलिस ने पकड़ा

-महिलाओं के कपड़े पहनकर महीनों से होटल में रहे थे, नहीं हुआ किसी को शक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ये चारों पिछले तीन महीनों से एक होटल में रह रहे थे। वे पहचान छिपाने के लिए साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट पहनकर होटल से बाहर निकलते थे। मामला 13 सितंबर को सामने आया। जब रघुनाथपुर में पुलिस ने साड़ी पहने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। उसने अपना नाम तौहीद मंडल बताया।

पुलिस ने बताया कि तौहीद बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ अन्य लोगों के साथ भारत आया था। वे 1 सितंबर को नदिया जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से कथित तौर पर भारत में दाखिल हुए थे। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पुरुलिया टाउन थाना क्षेत्र के एक होटल पर छापा मारा। यहां से तीन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान जाहिद इमन, सुमन शेख और शांत हुसैन के रूप में हुई है। इनके पते बांग्लादेश के राजबाड़ी और कुश्टिया जिलों के बताए गए हैं।

जांच में सामने आया कि चारों जिस होटल में रह रहे थे, वहां कमरा मनी सरकार नाम की महिला के आधार कार्ड से बुक किया गया था। मनी सरकार उत्तर 24 परगना की रहने वाली बताई गई हैं। होटल मालिक ने बताया कि कमरे के लिए सिर्फ एक व्यक्ति का आधार कार्ड लिया गया था। इसके बावजूद कमरे में चार लोग रह रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक होटल मालिक ने पुलिस को बताया कि उन्हें इन लोगों के बांग्लादेशी होने की जानकारी नहीं थी। वे कभी दो दिन होटल में रुकते थे और फिर चले जाते थे। होटल के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उन्हें कभी शक नहीं हुआ। ये लोग साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट जैसे कपड़े पहनते थे। वे टोटो से बाहर जाते थे और फिर होटल लौट आते थे। होटल कर्मचारी ने बताया कि वह उन्हें अक्सर सीढ़ियों से ऊपर जाते देखती थीं। उनके कपड़े और हावभाव महिलाओं जैसे लगते थे। इसलिए कभी शक नहीं हुआ। चारों संदिग्धों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वे सीमा पार करके पुरुलिया तक कैसे पहुंचे। पुलिस जांच कर रही है कि वे इतने लंबे समय तक होटल में कैसे रहे। इसके अलावा पुलिस उनके पुरुलिया आने की वजह और स्थानीय संपर्कों का पता लगा रही है। फिलहाल सभी संदिग्ध पुलिस की हिरासत में हैं।

राहुल गांधी बोले- अब तो पार्टियां ही चुराने लगी भाजपा

टीएमसी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज राजनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिन्ह को चुनाव आयोग द्वारा फ्रीज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी का प्रतीक बताया और इसे भारत के लोकतांत्रिक पतन का संकेत करार दिया। राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह एक ऐसा पैटर्न है जो बार-बार दोहराया जा रहा है पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरी की पूरी पार्टी ही चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं है। उनके अनुसार, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन इसके बजाय, वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को ही पलट देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है, बल्कि यह हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के लिए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फिलहाल फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसका अर्थ यह है कि जब तक आयोग इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं ले लेता, तब तक न तो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट और न ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट किसी भी चुनाव के लिए टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल कर पाएगा। यह विवाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार के बाद अप्रैल में टीएमसी के दो गुटों में बंटने से शुरू हुआ था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुनने को लेकर यह विवाद बढ़ा और बाद में टीएमसी के 80 में से लगभग 58 विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी गुट का हिस्सा बन गए। दलबदल विरोधी कानून के तहत यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े से अधिक थी। इस विभाजन के बाद, दोनों गुट टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह पर अपना दावा कर रहे थे। फिलहाल, आयोग ने स्थिति को देखते हुए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया है।

स्वतंत्र भारद्वाज तिहाड़ जेल से रिहा, मोदी-योगी और राजनीति पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। जंतर-मंतर पर एक छात्र कार्यकर्ता के पिता के साथ मारपीट के मामले में जेल में बंद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को तिहाड़ जेल से तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया। दिल्ली की अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी है, और कोर्ट उनके अंतरिम जमानत के दौरान के आचरण का आकलन करेगा। अदालत ने उनके सोशल मीडिया पर मामले से जुड़े किसी भी प्रकार के पोस्ट या चर्चा करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया है। रिहाई के बाद उनका एक निजी इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके लिए किसी भी राजनीतिक दल या नेता से बढ़कर केवल समाज सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आज के समय में देश की मुख्य मांग आर्थिक आरक्षण को लागू करना और यूजीसी के नियमों को वापस लेना है। उन्होंने किसी भी पार्टी का पक्ष न लेकर कहा कि जो नेतृत्व आम जनता को मुसीबत में डाले, वह सही नहीं है, असली नेता वहीं है जो खुद लाठी खाए और गिरफ्तारी देने के लिए तैयार रहे।

स्मार्ट स्कूल से पहले बुनियादी सुविधाएं जरूरी: मायावती

यूपीआई शुल्क से आमजन की जेब पर बढ़ेगा बोझ

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाली नई यूपीआई शुल्क व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद अब इस पर शुल्क लगाने की व्यवस्था से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 14,429 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए मंजूर करीब 300 करोड़ रुपये की योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मायावती ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्ट्या मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को कर मानने को तैयार नहीं है, लेकिन 15 अक्टूबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये, जेब तो अन्ततः आम जनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगा। मायावती ने आगे कहा कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है और उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं; ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज़्यादा हो तो यह उचित होगा। जनता की तंगी, दुख-तकलीफ की अगर सरकार चिन्ता नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा? इसके साथ ही, उन्होंने यूपी सरकार द्वारा करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के लगभग 14,500 स्कूलों को स्मार्ट

स्कूल बनाने की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है, लेकिन बच्चों को कथित स्मार्ट पढ़ाई से पहले उन्हें बुनियादी शिक्षा आदि की जरूरतें अर्थात स्कूली बच्चों के सिर पर छत, उनके लिये बेंच, कुर्सी, किताब, शौचालय, मैदान, साफ-सफाई आदि की सही व्यवस्था पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यह सब प्रति स्कूल करीब दो लाख रुपये में क्या संभव हो पायेगा, इस पर भी सरकार को सहानुभूतिपूर्वक जरूर विचार करना चाहिए।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता केजीपी-12 ने चार शावकों को दिया जन्म

-प्रोजेक्ट चीता को मिली बड़ी सफलता

श्योपुर , एजेंसी। भारत के कूनो नेशनल पार्क में जन्मी मादा चीता केजीपी 12 ने चार नए शावकों को जन्म दिया है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह घटना इस महत्वाकांक्षी पहल के चार साल पूरे होने के ठीक एक दिन बाद सामने आई है, और भारत में चीता संरक्षण के प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करती है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रोजेक्ट चीता के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा, चार साल, चार नई जिंदगियां; उम्मीद, हिम्मत और भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता का एक सुंदर प्रतीक हैं। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों को बधाई भी दी।

इन नए शावकों के जन्म के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 52 हो गई है, जिसमें से अब 32 चीते देश में ही पैदा हुए हैं। चीता पुनर्वास कार्यक्रम की हालिया चार वर्षीय समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में और तीन गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। यह संख्या नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और हाल ही में बोत्सवाना से लाए गए चीतों तथा उनके भारतीय-जन्मे शावकों को मिलाकर है।

रिपोर्ट के अनुसार, 17 सितंबर, 2022 को लाए गए आठ नामीबियाई चीतों में से तीन और उनके 22 बच्चे जीवित हैं, जबकि 18 फरवरी, 2023 को लाए 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों में से आठ और उनके 10 बच्चे जीवित हैं। इसके अतिरिक्त, 28 फरवरी, 2026 को बोत्सवाना से नौ चीते लाए गए थे। कूनो नेशनल पार्क ने कार्यक्रम की प्रगति पर जोर देकर कहा, चार साल बाद, प्रजनन करने वाली मादाओं का स्थापित होना और दूसरी पीढ़ी के शावकों का जीवित रहना भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मजबूती का चरण है।

हरिद्वार में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, उद्योग प्रतिनिधियों ने रखे सुझाव

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उद्योग विभाग, उत्तराखंड शासन और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रोशनाबाद स्थित एक होटल में कारोबार को सुगम बनाने के विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों, उद्योग संघों और प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का उद्देश्य उद्योगों के लिए कारोबारी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और निवेशक-अनुकूल बनाना तथा उद्योग जगत से सीधे सुझाव प्राप्त कर सुधारों को अधिक प्रभावी बनाना रहा।

कार्यशाला में उद्योग प्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागीय अनुमतियों, ऑनलाइन सेवाओं, एकल खिड़की व्यवस्था और कारोबार संचालन से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं एवं सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की अपर सचिव हिमानी पांडे ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार उद्योगों के लिए बेहतर कारोबारी वातावरण विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही हैं। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों के अनुभव और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा प्राप्त सुझावों के आधार पर सुधारों को अधिक उद्योग-अनुकूल बनाने की बात कही।

उद्योग विभाग के सचिव विनय शंकर पांडे ने कहा कि उत्तराखंड सरकार विभागीय प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, समयबद्ध सेवाओं और एकल खिड़की व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। महानिदेशक एवं आयुक्त उद्योग डॉ. सौरभ गहरवार ने कहा कि कारोबार को सुगम बनाना केवल रैंकिंग का विषय नहीं, बल्कि उद्योगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की सतत प्रक्रिया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि उद्योगों की समस्याओं का त्वरित समाधान और विभागों में बेहतर समन्वय औद्योगिक विकास को गति देगा। कार्यशाला में निदेशक राकेश कुमार प्रजापति, संयुक्त निदेशक उद्योग अनुपम द्विवेदी सहित अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंची महिला को मौके पर अंत्योदय कार्ड, पेंशन का आवेदन, आयुष्मान कार्ड के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान लोगों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं। भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, भूमि संबंधी धोखाधड़ी, अतिक्रमण, सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति किसी एक योजना के लिए आवेदन करता है तो अधिकारी यह भी जांच करें कि वह अन्य योजनाओं के लिए पात्र है या नहीं। पात्रता होने पर संबंधित व्यक्ति को अन्य योजनाओं की जानकारी

देकर उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में एक महिला ने राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पेंशन की मांग रखी। जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर महिला का अंत्योदय कार्ड और पेंशन का आवेदन भरवाया तथा आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। वहीं एक विधवा महिला ने पहले पांच योजनाओं का लाभ मिलने पर जिलाधिकारी का आभार जताते हुए आवास की मांग की, जिस पर उन्होंने जल्द आवास दिलाने का आश्वासन दिया। एक दिव्यांग महिला ने भी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिलाधिकारी का धन्यवाद किया। जनसुनवाई में एडीएम भूमि अध्याप्ति, एडीएम सिटी, एडीएम प्रशासन, सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ऑनलाइन गेमिंग में चार लाख गंवाए, लूट की झूठी कहानी रचने वाला शिकायतकर्ता गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर थाना पुलिस ने एक लाख रुपये से अधिक की कथित लूट की सूचना का खुलासा करते हुए शिकायतकर्ता को ही गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि ऑनलाइन गेमिंग में करीब चार लाख रुपये गंवाने के बाद आरोपी ने रकम के संबंध में परिवार और परिचितों से बात छिपाने तथा बदनामी से बचने के लिए खुद के साथ लूट होने की झूठी कहानी रची थी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के अनुसार, 14 सितंबर की शाम करीब 7:30 बजे चांदपुर क्षेत्र के मंसूरपुर गांव निवासी सुमित कुमार ने पुलिस को सूचना दी थी कि तीन अज्ञात बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उससे 1.04 लाख रुपये की नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया। सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटना संदिग्ध प्रतीत हुई। इसके बाद पुलिस ने सुमित के मोबाइल की कॉल संबंधी जानकारी और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने पूरी कहानी कबूल कर ली। जांच में पता चला कि सुमित एक मेडिकल स्टोर पर काम करता था। 14 सितंबर को मेडिकल स्टोर मालिक के बाहर जाने के दौरान उसने गल्ले से बिना अनुमति रकम निकाल ली थी। इसके बाद कुछ अन्य फर्मों से भी तगादा कर रुपये जुटाए और पूरी रकम ऑनलाइन गेमिंग में गंवा दी। भारी रकम हारने के बाद उसने लूट की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाकर रखा गया मोबाइल फोन और 40,200 रुपये बरामद किए। चांदपुर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया।

एयरोसिटी योजना के लिए भूमि जुटाने की प्रक्रिया शुरू, पहले भूस्वामी की मिली सहमति

मोरटी, अटोर और मेवला अगरी की 231 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित है योजना, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम होगा प्रमुख आकर्षण

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी एयरोसिटी योजना को धरातल पर उतारने की दिशा में शुक्रवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। योजना के लिए भूमि समूहकरण के माध्यम से भूमि जुटाने की प्रक्रिया शुरू करते हुए पहले भूस्वामी से सहमति प्राप्त की गई। यह सहमति गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कालाल की उपस्थिति में प्राप्त हुई। पहले भूस्वामी की सहमति मिलने के बाद प्राधिकरण ने योजना के लिए अन्य भूस्वामियों से भी संवाद और समन्वय की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रस्तावित एयरोसिटी योजना मोरटी, अटोर और मेवला अगरी गांवों की लगभग 231 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। योजना का प्रमुख आकर्षण प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम होगा। स्टेडियम के आसपास सुनियोजित और आधुनिक शहरी विकास के माध्यम से क्षेत्र को नए विकसित शहरी केंद्र के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों के साथ विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं

योजना के अंतर्गत आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों के साथ आवश्यक अवस्थापना सुविधाएं,

बेहतर संपर्क मार्ग और आधुनिक नागरिक सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। इससे क्षेत्र में आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। भूमि समूहकरण की प्रक्रिया में संबंधित भूस्वामियों की सहमति और सहभागिता को आधार बनाया गया है। प्राधिकरण आगे भी भूस्वामियों से संवाद के माध्यम से प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी राजीव रत्न, तहसीलदार विवेक मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपीआई शुल्क व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष हकीम जफर महमूद के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने यूपीआई भुगतान व्यवस्था से संबंधित शुल्क प्रावधानों के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार से डिजिटल भुगतान व्यवस्था को आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए सरल एवं सुलभ बनाए रखने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान हकीम जफर महमूद ने कहा कि यूपीआई भुगतान व्यवस्था में शुल्क से जुड़े नए प्रावधानों को लेकर व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। उन्होंने दावा किया कि दो हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर व्यापारी छूट दर लागू होने से कारोबारियों पर वित्तीय भार बढ़ सकता है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ने की संभावना है। उन्होंने सरकार से मांग की कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को जनहित में पहले की तरह सरल और सहज रखा जाए तथा व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डाला जाए।

कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विस्तार छोटे व्यापारियों और आम लोगों के लिए सुविधा का माध्यम बना है। ऐसे में भुगतान से जुड़े किसी भी शुल्क या प्रक्रिया में बदलाव करते समय व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उपलब्ध भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के वर्तमान परिपत्रों में यूपीआई से संबंधित विभिन्न तकनीकी और लेनदेन संबंधी प्रावधान जारी हैं, जबकि इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने शुल्क व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

प्रदर्शन में हकीम जफर महमूद, राशिद मलिक, मास्टर सरताज, बिलाल, इरफान राणा, शौकत अली, मास्टर शाकिर, रशीद, जुनैद, शमीम और अनवर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवर और कार बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर क्षेत्र में ज्वेलर्स की दुकान से सोने और चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों महिलाओं की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार को भी कब्जे में लेकर सीज कर दिया गया है। मामले में शामिल तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 12 सितंबर को रसूलपुर नगला निवासी दिनेश वर्मा ने पुलिस को सूचना दी थी कि अज्ञात चोर उनकी ज्वेलर्स की दुकान से सोने और चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान एक स्विफ्ट कार के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिला, जिसमें सवार होकर आरोपी वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि गाजियाबाद के विजयनगर क्षेत्र के केला देहात निवासी जाहिदा उर्फ छोटी और आशिया पत्नी समसुद्दीन ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी का माल बरामद कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार को भी सीज कर दिया है। फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

मेला गुघाल के संयोजक बने संजय सैनी, चार महिला पार्षदों को मिली सह-संयोजक की जिम्मेदारी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। महापौर डॉ. अजय कुमार ने मेला गुघाल के आयोजन के लिए संयोजक और सह-संयोजकों के नामों की घोषणा कर दी है। नगर निगम बोर्ड की बैठक में मेला गुघाल के संयोजक और सह-संयोजक नियुक्त करने का अधिकार सदन ने सर्वसम्मति से महापौर को सौंपा था। इसी के तहत महापौर ने वार्ड 41 के पार्षद संजय सैनी को मेला संयोजक नियुक्त किया है। वहीं अलग-अलग सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देते हुए चार महिला पार्षदों को सह-संयोजक बनाया गया है। सह-संयोजकों में वार्ड 46 की पार्षद ज्योति अग्रवाल, वार्ड 12 की पार्षद सीमा कात्यायनी, वार्ड 10 की पार्षद रेनू शर्मा और वार्ड 7 की पार्षद अल्पना शामिल हैं। महापौर डॉ. अजय कुमार ने संयोजक और सह-संयोजकों के नामों की घोषणा करते हुए कहा कि जाहरवीर गोगा महाराज समाज के सभी वर्गों के पूज्य हैं। ऐसे में मेला गुघाल केवल आस्था और श्रद्धा का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और समरसता का भी प्रतीक है।

भव्य आयोजन के लिए तैयार की गई कार्ययोजना

महापौर ने कहा कि मेला संयोजक और सह-संयोजकों के चयन में विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देकर आपसी भाईचारे और समरसता का संदेश देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष मेला गुघाल को अधिक भव्य और आकर्षक बनाने के लिए पूरी कार्ययोजना तैयार की गई है। मेले

के आयोजन को बेहतर बनाने के लिए संबंधित स्तर पर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। महापौर ने महानगर के सभी नागरिकों से मेले में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की।

गोगा जी की छड़ी उठाने को लेकर दो पक्षों में पथराव, 18 नामजद समेत 10-15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

सहारनपुर (शिखर समाचार)। चिलकाना थाना क्षेत्र के ग्राम पटना उर्फ नयाबांस में गोगा जी की छड़ी उठाने को लेकर सैनी समाज के दो पक्षों में विवाद के बाद जमकर मारपीट और पथराव हो गया। पुलिस ने मामले में इंटर कॉलेज संचालक श्याम सिंह सैनी समेत 18 नामजद और 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, मारपीट, पथराव और लोकशांति भंग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह सोलंकी की तहरीर के अनुसार वह पुलिस टीम के साथ ग्राम पटना उर्फ नयाबांस स्थित गोगा महाड़ी पर लगे मेले में शांति व्यवस्था ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान सूचना मिली कि गोगा जी की छड़ी उठाने को लेकर विकास पुत्र ताराचंद और प्रवीन पुत्र रामपाल पक्ष के लोग लाठी-डंडों से लैस होकर आमने-सामने हो रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो भारी भीड़ के बीच दोनों पक्षों के लोग मारपीट कर रहे थे। समझाने के बावजूद विवाद शांत नहीं हुआ और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। पुलिस के अनुसार पथराव से गांव में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया। महिलाओं और बच्चों ने घरों में शरण ली, जबकि दुकानदारों ने प्रतिष्ठानों के शटर बंद कर दिए। मौके पर लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर और चप्पलें पड़ी मिलीं। पुलिस के पहुंचने पर उपद्रव में शामिल लोग जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। जांच के आधार पर विकास, मयंक सैनी, नितिन, प्रमोद कुमार, मुकेश, कृष्णा, प्रवीन, समी, रामेश्वर, श्याम सिंह, विश्वास सैनी, वरुण सैनी, विशाल, बंटी, सुलेखचंद, सतीश और जनेश्वर समेत अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तालाब में तैरता मिला दो दिन से लापता 12 वर्षीय बच्चे का शव, क्षेत्र में सनसनी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के ग्राम अलीपुर गंगा उर्फ सराय में दो दिन से लापता 12 वर्षीय बच्चे का शव शुक्रवार को एक तालाब में तैरता मिला।

शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी और थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय बिजनौर भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि अलीपुर गंगा उर्फ सराय निवासी रफीक का 12 वर्षीय पुत्र शाहनवाज बुधवार को बिना बताए घर से चला गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की। कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। शुक्रवार को ग्रामीणों ने फारूक के खेत के पास स्थित तालाब में शाहनवाज का शव तैरता देखा। तालाब में सिंघाड़े की फसल उगी हुई है। शव मिलने की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चा तालाब तक कैसे पहुंचा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोनी में नकली काली मिर्च बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ माल जप्त मालिक गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद लोनी क्षेत्र में मिलावटखोरी के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी करके एक ऐसी फैक्ट्री का पदार्फाश किया है जो सस्ती और छोटी काली मिर्च पर गोंद मैदा और रिफाइंड तेल चढ़कर उसे ए ग्रेड की महंगी काली मिर्च बनाकर बेच रहा था टीम ने फैक्ट्री मालिक को गिरफ्तार करते हुए 13 .5 लाख का माल बरामद किया है खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त सर्वेश मिश्रा ने बताया कि 17 सितंबर की रात में लोनी बॉर्डर थाना पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने केहर फार्म हाउस सेवा धाम बेटा हाजीपुर स्थित एक फैक्टरी पर छापेमारी की इस कार्रवाई के दौरान मौके पर दिल्ली के बुद्ध विहार निवासी लोकेश गुप्ता को घटिया व छोटे आकार की काली मिर्च को प्रक्रिया करके बड़े आकार की ए ग्रेड काली मिर्च बनाते हुए पकड़ा गया पूछताछ में आरोपी लोकेश ने मिलावट कैसे काले धंधे की पूरी प्रक्रिया का खुलासा किया

सिद्धार्थ विहार डूब क्षेत्र में 10 हजार वर्गमीटर में विकसित अवैध कॉलोनी ध्वस्त

हिण्डन नदी के समीप अवैध प्लॉटिंग, बाउंड्री और बिल्डर कार्यालय पर भी चला जीडीए का बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-4 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने सिद्धार्थ विहार के डूब क्षेत्र में लगभग 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी और प्लॉटिंग से संबंधित निमार्णों को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही हिण्डन नदी के समीप डूब क्षेत्र में की गई अवैध प्लॉटिंग, बाउंड्री, अवैध बिल्डर कार्यालय तथा छोटे-बड़े अनधिकृत भवनों को भी ध्वस्त किया गया।

स्थानीय निर्माणकर्ताओं ने किया विरोध, पुलिस बल की मौजूदगी में

जारी रही कार्रवाई

प्राधिकरण के अनुसार भवन एवं भूखंड संख्या के-235, सेक्टर-9, विजय नगर, गाजियाबाद के अग्रभाग पर किए गए अवैध कब्जे और निर्माण को भी ध्वस्त कर अनुपयोगी बना दिया

गया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध करने का प्रयास किया। हालांकि प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्रवाई को जारी रखा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना अनुमति किए जा रहे अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि डूब क्षेत्र और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध निर्माण को किसी भी स्थिति में बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-4 के प्रभारी, अवर अभियंता, प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते के कर्मचारी तथा प्राधिकरण पुलिस बल मौजूद रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि आगामी माह में भी अवैध निर्माणों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई का अभियान जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर

लखनऊ, एजेंसी। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में स्वदेशी अर्थशास्त्र और आत्मनिर्भर भारत विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस एमिनेंट लेक्चर सीरीज की अध्यक्षता कुलपति राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के अन्नदा शंकर पाणिग्रही ने आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कुलपति राज कुमार मित्तल ने कहा कि विकसित भारत के लिए स्वदेशी विचारधारा और आत्मनिर्भरता का आधार मजबूत करना होगा। डीन ऑफ अकादमिक अफेयर्स एस. विक्टर बाबू और कार्यवाहक चेयरपर्सन सुनील बाबू गोसीपटाला भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

निलंबित छात्रों ने आईसीसी के सामने रखा अपना पक्ष

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के एपीसेन सभागार में आयोजित युवा संसद के दौरान छात्राओं से अभद्रता और छेड़खानी के मामले में बृहस्पतिवार को निलंबित किए गए पांच छात्रों ने अपना पक्ष आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के समक्ष रखा। इसकी रिपोर्ट आईसीसी की चेयरपर्सन कुलपति को भेजेंगी और उसके बाद ही इन छात्रों के निलंबन के आदेश पर फैसला होगा।

पांच छात्रों को निलंबित किए जाने के बाद आक्रोशित साथी छात्रों ने बुधवार को विवि परिसर में जमकर बवाल किया था। इसके बाद कुलपति ने छात्रों की मांग को मानते हुए उन्हें उनका पक्ष रखने के लिए एक मौका दिया था। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को 12:30 बजे सभी छात्रों ने आईसीसी के सामने पेश होकर अपनी बात भी रखी। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि आईसीसी ने अपनी रिपोर्ट अभी नहीं दी है, रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सुभाष छात्रावास की मेस में भूखे सोने को मजबूर छात्र

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के सुभाष छात्रावास में विद्यार्थी भूखे पेट सोने को मजबूर हैं। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के अधिकारी ओपी शुक्ला ने मेस की स्थिति का बृहस्पतिवार देर रात निरीक्षण किया तो यह मामला सामने आया। इस दौरान अचानक मेस कर्मचारी चले गए तो दूसरे हॉस्टल के कर्मचारी बुलाकर भोजन बना। ओपी शुक्ला ने डीएसडब्ल्यू अमिता कनौजिया से फोन पर बात कर मामले से अवगत कराया। छात्रों का आरोप है कि भोजन रात नौ बजे तैयार होता है और दस बजे के पहले ही खत्म हो जाता है। कई छात्रों को भोजन नहीं मिल पाता या भूखे पेट सोना पड़ता है। छात्र आर्यन कुशवाहा व अन्य की शिकायत पर ओपी शुक्ला पहुंचे। बताते हैं कि एक सप्ताह भर पहले मेस कर्मचारियों और छात्रों के बीच विवाद भी हुआ था।

बीएलओ ड्यूटी के नाम पर स्कूल से अनुपस्थित शिक्षक, पढ़ाई प्रभावित

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के सरकारी विद्यालयों में करीब दो हजार शिक्षक बीएलओ ड्यूटी के नाम पर सप्ताह में दो दिन स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये शिक्षक प्रधानाध्यापकों व खंड शिक्षा अधिकारियों को बीएलओ ड्यूटी का हवाला देते हैं। हैरानी की बात यह है कि बीएलओ कार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों का कहना है कि शिक्षक दो दिन स्कूल पढ़ाने न जाएं ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया है। इस संबंध में प्रधानाध्यापक कहते हैं कि शिक्षकों के स्कूल न आने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। नवंबर में बच्चों का निपुण आकलन होना है। शिक्षकों की पहले से कमी है। बचे हुए शिक्षक यदि बीएलओ ड्यूटी के नाम पर स्कूल नहीं आएंगे तो पढ़ाई कैसे होगी। खंड शिक्षा अधिकारी भी परेशान हैं क्योंकि इस मामले में बीएसए के आदेशों को भी दरकिनार किया जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि आखिर किसके इशारे पर ऐसा हो रहा है। (संवाद)

शिक्षकों की ड्यूटी अंतिम विकल्प- इलाहाबाद हाईकोर्ट के जारी निर्देशों और ईसीआई की गाइडलाइंस के अनुसार बीएलओ ड्यूटी के लिए शिक्षकों की तैनाती हमेशा अंतिम विकल्प होनी चाहिए।

पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, लेखपाल, पटवारी, पंचायत सचिव, डाकिया, ग्राम विकास अधिकारी, बिजली बिल रीडर, क्लर्क को बीएलओ बनाना चाहिए। आरटीई एक्ट 2009 की धारा 27 के मुताबिक शिक्षण अवधि के दौरान बीएलओ कार्य से स्कूल का समय या पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

छह से ज्यादा सीट वाले निजी वाहनों की अब नहीं करानी होगी वार्षिक फिटनेस, नई व्यवस्था लागू

बरेली , एजेंसी। सरकार ने चालक को छोड़कर छह से अधिक सीट क्षमता वाले निजी वाहनों की वार्षिक फिटनेस की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। इससे बरेली मंडल के बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत में 10,795 वाहन स्वामियों को राहत मिलेगी। परिवहन आयुक्त के निर्देशों पर नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। अब तक ऐसे निजी वाहनों को हर साल फिटनेस करानी पड़ती थी। व्यक्तिगत और पारिवारिक उपयोग में आने वाले वाहन को भी इस प्रक्रिया से गुजरना होता था। नई व्यवस्था से वाहन स्वामियों के समय और धन की बचत होगी। बरेली के आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह ने बताया कि यह छूट केवल निजी वाहनों पर लागू होगी। परिवहन या व्यावसायिक वाहनों और अन्य वैधानिक प्रावधानों वाले वाहनों पर पूर्व के नियम ही लागू रहेंगे। इस श्रेणी में बरेली मंडल के चारों जनपदों में कुल 10,795 निजी वाहन पंजीकृत हैं। इनमें बरेली में 2,249, बदायूं में 2,727, शाहजहांपुर में 2,654 और पीलीभीत में सर्वाधिक 3,165 वाहन हैं। इन वाहनों को अब वार्षिक फिटनेस के लिए हर साल परिवहन कार्यालय की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा।

2500 दीयों की रोशनी से जगमग हुआ अटल आवासीय विद्यालय

गोरखपुर , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया सेवा संकल्प अभियान' के तहत बृहस्पतिवार को अटल आवासीय विद्यालय 2500 दीयों की रोशनी से जगमग उठा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत 800 से अधिक बच्चे उत्साह से भरे नजर आए। कार्यक्रम में बच्चों से संवाद करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से समाज, देश और प्रदेश के प्रति अपने दायित्वों को और मजबूत करने के संकल्प के साथ सभी एकत्र हुए हैं। उद्देश्य केवल कार्यक्रम करना नहीं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना है। उन्होंने बच्चों से पूछा कि क्या वे इस संकल्प में उनका साथ देंगे। इस पर बच्चों ने एक स्वर में हां कहकर जवाब दिया। विनोद तावड़े ने बच्चों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके कॅरिअर को लेकर बातचीत की। बच्चों ने डॉक्टर, इंजीनियर और आईएएस बनने की इच्छा जताई। कक्षा नौ की छात्रा शिवांगी पांडेय ने कहा कि वह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनना चाहती है। क्षेत्रीय विधायक प्रदीप शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सभी सेवा का संकल्प लेते हैं। बच्चे देश की ताकत हैं और उनके बेहतर भविष्य के लिए समाज को मिलकर काम करना होगा। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि विनोद तावड़े को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

ये बच्चे हुए पुरस्कृत

कार्यक्रम में अटल आवासीय विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि तावड़े ने कक्षा छह से आठ तक सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली अदिति मद्धेशिया और हाईस्कूल में सर्वाधिक अंक पाने वाले करन गुप्ता को सम्मानित किया। विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका के लिए अनुपमा निषाद और आलोक रंजन मौर्य, संगीत के लिए शिवांगी पांडेय, इसरो की यात्रा के लिए सोनू गुप्ता और अन्नू कुमारी, खेलकूद के लिए संजनी मद्धेशिया व राज साहनी और कला व रंगोली में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निधि चौधरी को पुरस्कृत किया गया।

कंडेला औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान के आयुक्त ने दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। सहारनपुर मंडल के आयुक्त डॉ. रुपेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित समस्याओं का नियमानुसार त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। शामली के उद्योग बंधु से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कंडेला औद्योगिक क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण और विद्युत लाइट लगाए जाने का मुद्दा उठाया गया। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि कार्य को वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना में शामिल किया गया है और वर्तमान में स्वीकृति अपेक्षित है। आयुक्त ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में उद्यमियों ने प्लॉट और शेड की पूरी धनराशि जमा करने के बावजूद बकाया प्रदर्शित होने तथा अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं मिलने की समस्या भी रखी। आयुक्त ने उद्योग बंधु से ऐसे सभी मामलों की सूची प्राप्त कर नियमानुसार जांच कराने को कहा। औद्योगिक क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए शासन स्तर पर लंबित 5 करोड़ 1 लाख 90 हजार रुपये की धनराशि के मामले में शासन को अनुस्मारक भेजकर धनराशि शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। करीब 200 मीटर क्षतिग्रस्त सीसी सड़क की मरम्मत के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। प्लेटिनम एड के सामने नाले पर बनी पुलिया का स्लैब टूटने के मामले में सिंचाई विभाग ने बताया कि पुनर्निर्माण के लिए अनुमान भेजा जा चुका है। आयुक्त ने पुनर्निर्माण होने तक आवश्यक मरम्मत कराकर सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र के निकट अग्निशमन केंद्र स्थापित करने के लिए उपयुक्त भूमि तलाशने को संबंधित विभागों का संयुक्त सर्वे कराने तथा शामली शुगर मिल से निकलने वाली छाई से आसपास के लोगों को हो रही परेशानी का प्रदूषण नियंत्रण विभाग से परीक्षण कराकर नियमानुसार समाधान कराने को कहा गया। बैठक में बिना पंजीकरण ई-रिक्शा संचालन और नाबालिगों द्वारा ई-रिक्शा चलाए जाने का मुद्दा भी उठा। एआरटीओ ने बताया कि अब तक 261 ई-रिक्शा के विरुद्ध चालान बंद की कार्रवाई की जा चुकी है। आयुक्त ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। औद्योगिक आस्थान शामली से गुजर रही लंबे समय से अनुपयोगी 33 केवी विद्युत लाइन को हटाने के संबंध में भी विद्युत विभाग को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ला, संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार, उपायुक्त उद्योग शामली रतिका गुप्ता, उपायुक्त उद्योग मुजफ्फरनगर जैस्मिन, उपायुक्त उद्योग सहारनपुर अजय कुमार त्रिपाठी समेत तीनों जनपदों के संबंधित अधिकारी और उद्योग बंधु के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

₹2000 से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला कांग्रेस कमेटी और महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा और महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव के नेतृत्व में गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग के आवास पर पहुंचकर ₹2000 से अधिक के चुनिंदा व्यापारी यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर प्रतीकात्मक रूप से पूजा सामग्री और फल समेत करीब ₹2000 से अधिक मूल्य की सामग्री 'रिटर्न गिफ्ट' के रूप में सांसद के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजी गई। सांसद की ओर से सुनील ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल से सामग्री प्राप्त की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नए एमडीआर ढांचे को लेकर व्यापारियों में अतिरिक्त भुगतान-प्रसंस्करण लागत को लेकर चिंता है। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि दीपावली, दशहरा और नवरात्र जैसे त्योहारों के दौरान बाजारों में खरीदारी बढ़ती है। ऐसे में व्यापारियों की डिजिटल भुगतान से जुड़ी लागत संबंधी चिंताओं पर सरकार को संवाद करना चाहिए। महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने कहा कि कांग्रेस व्यापारियों की यूपीआई भुगतान लागत, व्यापारिक मार्जिन और डिजिटल भुगतान व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं को सामने रख रही है। उन्होंने सरकार से व्यापारियों के साथ संवाद कर व्यवस्था को लेकर समाधान निकालने की मांग की। केंद्र सरकार के अनुसार नई व्यवस्था में ₹2000 तक के व्यापारी यूपीआई भुगतान और निर्धारित छोटे व्यापारियों की श्रेणी के लेन-देन पर एमडीआर नहीं लगेगा। सरकार के मुताबिक करीब 96 प्रतिशत व्यापारी लेन-देन इस व्यवस्था से अप्रभावित रहेंगे। ₹2000 से अधिक के निर्दिष्ट व्यापारी लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। यह शुल्क ग्राहकों से वसूलने के लिए नहीं है और सरकार ने स्पष्ट किया है कि एमडीआर कर नहीं है। इस अवसर पर सुशांत गोयल, लोकेश चौधरी, अब्दुल कबीर साहिब, रूबी मलिक, मोहम्मद सफदर, इमरान खान, सोहेल सैफी, सविता जायसवाल, जितेंद्र शर्मा, रियाज सैफी, आचार्य विकास त्यागी, चंद्रपाल, रिजवान मलिक, इरफान, नवाब अहमद, आशुतोष गुप्ता, तरुण शर्मा, आशीष वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोमांचक मुकाबले में खेलो इंडिया हिमाचल ने जीता महिला कबड्डी फाइनल

जेवर (शिखर समाचार)। दाऊजी महाराज मंदिर परिसर में चल रहे 10 दिवसीय लक्खी मेले के अंतर्गत आयोजित महिला कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दो दिन तक चली प्रतियोगिता में देशभर की 24 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला देर रात आईटीबीपी और खेलो इंडिया हिमाचल की टीम के बीच खेला गया। निर्धारित मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30-30 अंक हासिल किए, जिससे मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद दाऊजी मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से दोनों टीमों को पांच-पांच अतिरिक्त राउंड दिए गए। अतिरिक्त राउंड में आईटीबीपी की टीम तीन अंक ही हासिल कर सकी, जबकि खेलो इंडिया हिमाचल की टीम ने सात अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। विजेता खेलो इंडिया हिमाचल की टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और विजेता ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उपविजेता आईटीबीपी की टीम को 31 हजार रुपये और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए दाऊजी मंदिर के स्टेडियम में देर रात तक दर्शकों की भारी भीड़ जुटी रही। दर्शकों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। दाऊजी मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि दो दिन चली प्रतियोगिता में क्षेत्रीय लोगों को देश की बेहतरीन महिला कबड्डी टीमों के बीच मुकाबला देखने का अवसर मिला। बाहर से आई टीमों का गर्मजोशी से स्वागत कर उनका सम्मान भी किया गया। उन्होंने बताया कि 10 दिवसीय मेले में अभी युवा दंगल, बड़ा दंगल और पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होना बाकी है, जिनका शुभारंभ शुक्रवार से होगा।

सेवा संकल्प अभियान में श्रमिकों और व्यापारियों का कराया जा रहा पंजीकरण

शामली (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे अभियान में शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय शामली में विभिन्न सरकारी योजनाओं के पंजीकरण और प्रचार-प्रसार का कार्य किया गया। अभियान के माध्यम से श्रमिकों और व्यापारियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

श्रम विभाग की ओर से परिवार पहचान पत्र, प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय पेंशन योजना व्यापारियों, ई-श्रम कार्ड तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड समेत विभिन्न योजनाओं के लिए पंजीकरण कराया जा रहा है। श्रम विभाग के गुलजार अंसारी ने बताया कि अभियान के दौरान श्रमिकों और व्यापारियों को सरकारी योजनाओं की पात्रता, पंजीकरण प्रक्रिया तथा उपलब्ध लाभों के बारे में जानकारी दी जा रही है। विभाग का प्रयास है कि पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के साथ ही उन्हें पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत श्रमिकों के नए पंजीकरण के साथ पंजीकरण नवीनीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। इसके अलावा लेबर चौक पर भी श्रमिकों के पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा श्रमिकों को आवश्यक दस्तावेजों तथा योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। अभियान के माध्यम से पात्र श्रमिकों और व्यापारियों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें निर्धारित लाभ दिलाने पर जोर दिया जा रहा है।

पेलखा गन्ना क्रय केंद्र को फिर शामली चीनी मिल से जोड़ने की मांग

शामली (शिखर समाचार)। ग्राम पेलखा के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना आयुक्त से मुलाकात कर पेलखा गन्ना क्रय केंद्र को दोबारा त्रिवेणी शुगर मिल शामली से संबद्ध किए जाने की मांग उठाई। किसानों ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व पेलखा गन्ना क्रय केंद्र को ऊन चीनी मिल के लिए आवंटित किया गया था। अब क्षेत्र के किसानों की सुविधा और उनकी मांग को देखते हुए क्रय केंद्र को पुनः त्रिवेणी शुगर मिल शामली से संबद्ध करने का अनुरोध किया गया है।

किसान प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना आयुक्त को बताया कि पेलखा क्षेत्र के किसानों का शामली चीनी मिल से लंबे समय से जुड़ाव रहा है। किसानों के अनुसार क्रय केंद्र के दोबारा त्रिवेणी शुगर मिल से संबद्ध होने पर उन्हें गन्ने की आपूर्ति करने में सुविधा होगी। साथ ही गन्ने की ढुलाई और आपूर्ति व्यवस्था भी क्षेत्र के किसानों के लिए अधिक सुगम हो सकेगी। किसानों ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में उन्हें अपनी उपज की आपूर्ति को लेकर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना आयुक्त से किसानों की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए पेलखा क्रय केंद्र को पुनः त्रिवेणी शुगर मिल शामली से संबद्ध किए जाने की मांग की। किसानों ने कहा कि इससे क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों को सीधे लाभ मिलेगा और गन्ना आपूर्ति व्यवस्था भी बेहतर हो सकेगी। गन्ना आयुक्त से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में डिम्पल चौधरी और राजीव कुमार, अनुजदीप, विवेक कुमार, अरविंद, सोहनवीर, नितिन कुमार, जयपाल सिंह, राजीव शर्मा, दीपक शर्मा, नरेश, प्रवीन्द्र, विपिन और विनोद कुमार सहित क्षेत्र के अन्य किसान शामिल रहे।

यमुना प्राधिकरण की ग्रीन बेल्ट में हुआ पौधरोपण, विधायक धीरेन्द्र सिंह ने लगाया पौधा

50 मीटर चौड़ी हरित पट्टी में रोपे गए नीम, पीपल, बरगद और अर्जुन सहित देशी प्रजातियों के पौधे

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत यमुना प्राधिकरण के 60 मीटर मार्ग के साथ विकसित की जा रही 50 मीटर चौड़ी हरित पट्टी में पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

स्कूली छात्राओं और ग्रामीणों ने भी किया पौधरोपण

कार्यक्रम में यमुना प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार, महाप्रबंधक परियोजना राजेन्द्र भाटी, वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान डॉ. आरती सिंह सहित प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्राएं और ग्रामीण उपस्थित रहे। स्कूली बच्चों ने भी पौधरोपण में भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने वृक्षों के पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अधिक से

अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। पौधरोपण अभियान के दौरान हरित पट्टी में नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन और पिलखन सहित विभिन्न देशी प्रजातियों के पौधे रोपे गए। अधिकारियों ने कहा कि हरित पट्टियों में देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ क्षेत्र की हरियाली बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्राधिकरण की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक निर्धारित 12 प्रमुख कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की श्रृंखला में यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की देखरेख और संरक्षण का संकल्प भी लिया।

तिरथली के 320 पात्र किसानों को 7 प्रतिशत आबादी भूखंडों का ड्रा से आवंटन

यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-29 में किया भूखंडों का नियोजन, शीघ्र विकसित किए जाएंगे आवंटित भूखंड

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अधिग्रहीत एवं क्रय की गई भूमि के सापेक्ष पात्र किसानों को 7 प्रतिशत आबादी भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। बुधवार को प्राधिकरण के सेक्टर-29 स्थित ग्राम तिरथली के पात्र 320 किसानों को आबादी भूखंडों का आवंटन ड्रा के माध्यम से किया गया। ड्रा की प्रक्रिया प्राधिकरण कार्यालय में संबंधित काश्तकारों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। ड्रा में शामिल भूखंड सेक्टर-29 में ग्राम तिरथली के लिए नियोजित किए गए हैं। प्राधिकरण द्वारा इन भूखंडों को शीघ्र विकसित किए जाने की बात कही गई है।

अधिकारियों और किसानों की मौजूदगी में पूरी हुई प्रक्रिया

आबादी भूखंडों के ड्रा की कार्यवाही के दौरान भूलेख विभाग के विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र

कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी हरि प्रताप सिंह सहित भूलेख एवं नियोजन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग और फोटोग्राफी भी कराई गई, जिससे आवंटन प्रक्रिया का अभिलेखीकरण किया जा सके। ड्रा के दौरान तिरथली और करौली बांगर गांव के किसान भी मौके पर उपस्थित रहे। प्राधिकरण की ओर से पात्र किसानों को आबादी भूखंडों का आवंटन उनकी भूमि से संबंधित निर्धारित प्रावधानों के तहत किया गया। ड्रा संपन्न होने के बाद संबंधित किसानों में अपने-अपने भूखंडों के आवंटन को लेकर उत्साह दिखाई दिया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार सेक्टर-29 में नियोजित आबादी भूखंडों को विकसित किए जाने के बाद पात्र किसानों को निर्धारित सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

लोनी में अवैध कॉलोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर

40-50 भूखंडों की बाउंड्रीवाल और निर्मित सड़कों को किया गया ध्वस्त, विरोध के बीच जारी रही कार्रवाई

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को लोनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम ने ग्राम सभापुर, लोनी स्थित खसरा संख्या 864 पर विकसित की जा रही अनधिकृत कॉलोनी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण के अनुसार उक्त कॉलोनी राजवीर पुत्र नत्थू सिंह द्वारा विकसित की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान करीब 40 से 50 भूखंडों की बाउंड्रीवाल और निर्मित सड़कों को ध्वस्त कर दिया गया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निमार्णों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही कॉलोनियों में भूखंड खरीदने से बचना चाहिए। अवैध निर्माण को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं दिया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

विरोध के बीच प्राधिकरण ने जारी रखी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के मीडिया प्रभारी रूद्रेश कुमार शुक्ला ने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्रवाई जारी रखी। उन्होंने बताया कि मौके पर प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी, अवर अभियंता, संबंधित स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। उन्होंने कहा कि अवैध निमार्णों के खिलाफ आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई का अभियान जारी रहेगा।

दादरी में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और खेल सुविधाओं को मिले नए आयाम: विधायक तेजपाल नागर

दादरी (शिखर समाचार)। विधायक तेजपाल सिंह नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दादरी नगर और क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, खेल तथा आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। विधायक ने शुक्रवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान क्षेत्र में कराए गए और प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी दी। विधायक ने बताया कि दादरी को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने के लिए उपरिगामी पुल का निर्माण कराया गया है। ग्रेटर नोएडा को जीटी रोड से जोड़ने के लिए रूपवास बाईपास बनने से दादरी में जाम की समस्या से राहत मिली है। रेलवे रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास से नहर

बाईपास का निर्माण होने से गाजियाबाद की ओर आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिली है। छात्राओं के लिए नगर में राजकीय इंटर कॉलेज का निर्माण कराया गया है। जीटी रोड स्थित मिहिर भोज कॉलेज में सार्वजनिक पुस्तकालय बनवाया गया है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि जारचा रोड पर जरूरतमंद लोगों के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है। जीटी रोड, जारचा रोड और बिसाहड़ा-एनटीपीसी मार्ग के चौड़ीकरण पर 8.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रेलवे रोड स्थित स्वर्गीय महेंद्र सिंह भाटी मार्ग के सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण का कार्य भी कराया गया है। विधायक के अनुसार क्षेत्र में 80 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका जल्द शिलान्यास किया जाएगा। अस्पताल में 35 विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था प्रस्तावित है। युवाओं के लिए खेल स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि मुख्यमंत्री अभ्युदय निशुल्क कोचिंग केंद्र का निर्माण भी शुरू होने जा रहा है।

डॉ. केएन मोदी कॉलेज में भूकंप से बचाव की मॉक ड्रिल, 40 छात्रों को मलबे से निकालने का किया अभ्यास

एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से चलाया बचाव अभियान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित डॉ. केएन मोदी साइंस एंड कॉमर्स इंटर कॉलेज में शुक्रवार को भूकंप जैसी आपदा की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास के दौरान काल्पनिक रूप से कॉलेज की इमारत गिरने और उसके मलबे में 40 विद्यार्थियों के दबे होने की स्थिति बनाई गई। सुबह करीब 10 बजे अचानक सायरन बजने के बाद एसडीआरएफ, पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमें अपने वाहनों के साथ मौके पर पहुंचीं। आसपास घनी आबादी होने के कारण कुछ समय के लिए स्थानीय लोगों में भी अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, लेकिन मॉक ड्रिल की जानकारी मिलने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

एसडीआरएफ ने सीढ़ियों से पहुंचकर छात्रों को निकाला

मॉक ड्रिल के दौरान एसडीआरएफ

की टीम ने सीढ़ियों के सहारे कॉलेज की इमारत तक पहुंचकर मलबे में दबे काल्पनिक 40 विद्यार्थियों को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया। बचाव कार्य में भीड़ से बाधा न पहुंचे, इसके लिए कॉलेज के मुख्य द्वार के पास रस्सी बांधकर अनावश्यक लोगों का प्रवेश रोका गया। काल्पनिक रूप से घायल विद्यार्थियों को स्ट्रेचर के माध्यम से बाहर लाया गया। अभ्यास में एक विद्यार्थी की मृत्यु और चार के गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति दर्शाई गई, जबकि 12 विद्यार्थियों को मामूली चोटें लगने की स्थिति बताई गई।

आपदा के समय सुरक्षा उपायों की दी जानकारी

अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भूकंप आने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। करीब एक घंटे तक चली मॉक ड्रिल में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ बचाव अभियान संचालित किया गया। इस दौरान उप जिलाधिकारी कोमल पवार, तहसीलदार रजत सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को आपदा के समय घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर जाने और राहत-बचाव दल के निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया।

एसएसवी कॉलेज में शिक्षकों की सेवाओं को लेकर विवाद, हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। एसएसवी पीजी कॉलेज हापुड़ में बीकॉम स्ववित्तपोषित और बीएड पाठ्यक्रम के शिक्षकों की सेवाएं जारी रखने को लेकर विवाद सामने आया है। शिक्षकों ने हाईकोर्ट के आदेश और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए 19 सितंबर 2026 से सेवाएं जारी रखने की मांग की है। शिक्षकों के अनुसार विश्वविद्यालय ने 16 सितंबर को कॉलेज सचिव को पत्र भेजकर कुलसचिव के अंतिम निर्णय होने तक उनकी सेवाएं जारी रखने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों का कहना है कि विवाद 6 जून 2026 को हुई प्रबंधन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय से जुड़ा है। बैठक में सत्र 2026-27 में बीकॉम स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम बंद करने और बीएड की सीटें कम करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके साथ शिक्षकों की सेवाएं तीन माह तक जारी रखने का निर्णय लिया गया। शिक्षकों का दावा है कि प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय की अंतिम अनुमति और कुलपति का अनुमोदन नहीं लिया गया था। शिक्षकों के अनुसार, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 7 अगस्त 2026 को अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व आदेश के अनुपालन के लिए तीन माह का अंतिम अवसर दिया था। उनका कहना है कि 13 नवंबर 2025 के आदेश में कुलसचिव द्वारा वेतन संबंधी प्रकरण का निर्णय होने तक उन्हें कॉलेज में कार्य करने की अनुमति दी गई थी। शिक्षकों का आरोप है कि कुलसचिव के निर्णय

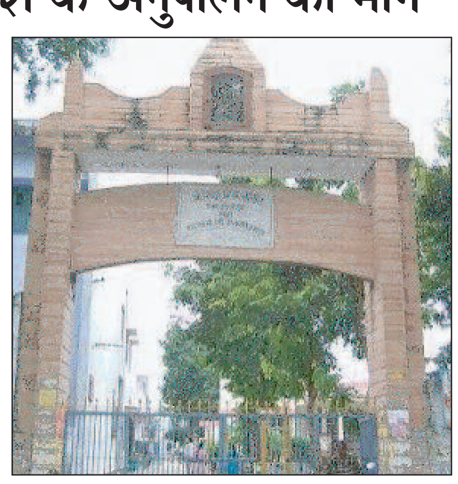

से पहले प्रबंधन समिति द्वारा सेवाओं से संबंधित प्रस्ताव पारित किया गया।

शिक्षकों ने आरोप लगाया कि गुरुवार को सामूहिक रूप से ज्ञापन देने प्राचार्य कार्यालय पहुंचे तो उसे लेने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ज्ञापन ई-मेल के माध्यम से भेजा। प्रबंध समिति अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा कि उन्हें अभी कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। पत्र मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्राचार्य डॉ. नवीन चंद्र से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन काट दिया।

भूकंप, अग्निकांड और रासायनिक रिसाव से निपटने की परखी तैयारी, गौतमबुद्धनगर में तीन स्थानों पर राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर की ओर से शुक्रवार को राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जनपद में भूकंप, अग्निकांड और औद्योगिक रासायनिक रिसाव जैसे अलग-अलग आपदा परिदृश्य तैयार कर तीन स्थानों पर अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग, औद्योगिक इकाइयों और अन्य संबंधित विभागों की तत्परता, आपसी समन्वय तथा त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखना रहा। तहसील जेवर क्षेत्र स्थित रेडिसन दी स्कूल, नीमका में भूकंप का परिदृश्य तैयार कर लोगों की सुरक्षित निकासी, बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास कराया गया। तहसील सदर स्थित शारदा अस्पताल में अग्निकांड की स्थिति दशार्ते हुए अग्निशमन और बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया

गया। इस दौरान मरीजों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय की प्रक्रिया परखी गई। तहसील दादरी के औद्योगिक क्षेत्र में रासायनिक रिसाव की स्थिति का अभ्यास कर क्षेत्र को सुरक्षित करने, प्रभावित लोगों को बचाने और आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने का प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान बचाव, राहत, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी, अग्निशमन और घटनास्थल पर त्वरित कार्रवाई का अभ्यास किया गया। शारदा विश्वविद्यालय परिसर में अस्थायी क्षेत्रीय अस्पताल भी बनाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल लोगों को भेजकर उपचार का अभ्यास किया गया। इस दौरान उपलब्ध संसाधनों और मानवबल की क्षमता परखने के साथ संभावित कमियों को चिन्हित किया गया। अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, पीएसी, होमगार्ड, पीआरडी जवान और आपदा मित्र शामिल रहे। प्रशासन ने लोगों से आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

आपात स्थिति से निपटने के लिए सीएचसी चिकित्सकों ने किया मॉक ड्रिल, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आपात स्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया के नेतृत्व में आयोजित अभ्यास में चिकित्सा टीम ने आपदा अथवा किसी भी आकस्मिक स्थिति में घायलों को तत्काल और प्रभावी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की तैयारियों का पूर्वाभ्यास किया। मॉक ड्रिल के दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने, आवश्यक दवाओं की निर्धारित मात्रा उपलब्ध कराने तथा गंभीर घायलों को उच्च चिकित्सा केंद्र पर भेजने की व्यवस्था का अभ्यास किया। इसके साथ ही 108 एंबुलेंस सेवा को तत्काल उपलब्ध रखने, आवश्यक दवाओं और चिकित्सा सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा आपात स्थिति में स्वास्थ्यकर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी पूर्वाभ्यास किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा या अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को परखना और चिकित्सा सेवाओं को अधिक तत्पर एवं प्रभावी बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास से आपात स्थिति में मरीजों को समय पर प्राथमिक उपचार देने और गंभीर मरीजों को उच्च केंद्र तक पहुंचाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का अभ्यास किया। इस अवसर पर डॉ. निशांत सिंह, शशांक त्यागी, हरविंदर सिंह, अभिषेक सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

दवा सुरक्षा और प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को लेकर कार्यशाला आयोजित

हापुड़ (शिखर समाचार)। छठे राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा निगरानी सप्ताह के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ के औषधि विज्ञान विभाग की ओर से दवा सुरक्षा और प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को लेकर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सा छात्रों, नर्सिंग कर्मचारियों और शिक्षकों को दवाओं से होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की पहचान, उनका दस्तावेजीकरण तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत रिपोर्ट करने का प्रशिक्षण देना रहा। कार्यशाला में वक्ताओं ने बताया कि दवाओं के सेवन के बाद होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की समय पर पहचान और सही तरीके से रिपोर्टिंग मरीजों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिकूल प्रतिक्रिया की अनदेखी करने के बजाय उसकी जानकारी संबंधित व्यवस्था तक पहुंचाना जरूरी है, जिससे दवा सुरक्षा से जुड़े जोखिमों की पहचान और उन्हें कम करने के प्रयास किए जा सकें। प्रतिभागियों को प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया संबंधी प्रपत्र भरने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डॉ. चरनजीत सिंह अहलूवालिया, वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आरके सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन और निदेशक रघुवार दत्त सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र तथा नर्सिंग कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समन्वय औषधि विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कविता धर बगाती ने डॉ. शाकिता फातिमा, डॉ. तबिंदा नजीर, डॉ. पूनम सिंह सहित विभागीय टीम के साथ किया। समापन पर आयोजकों ने संस्थान के अध्यक्ष डॉ. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष डॉ. रम्या रामचंद्रन के प्रति आभार व्यक्त किया।

एनएच-9 पर परिवहन विभाग की विशेष चेकिंग, निर्धारित आयु पूरी कर चुके 18 वाहन चिन्हित

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए परिवहन विभाग ने शुक्रवार को पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र स्थित एनएच-9 के छिजारसी टोल प्लाजा पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। जांच में निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके 18 पुराने वाहनों को चिन्हित किया गया। कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद वाहन चालकों और मालिकों में खलबली मच गई। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने वाहनों के पंजीकरण प्रमाणपत्र, ईंधन के प्रकार, निर्माण वर्ष और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। अधिकारियों ने विशेष रूप से उन वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके हैं। जांच में नियमों के दायरे में आए 18 वाहनों के संबंध में विभाग की ओर से नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार चिन्हित वाहनों को अधिकृत पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र पर निस्तारित कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। वाहन स्वामियों को पुराने वाहनों के संचालन से संबंधित नियमों और निर्धारित आयु सीमा के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों का संचालन लागू नियमों के अनुरूप नहीं है। परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों के पंजीकरण और अन्य जरूरी दस्तावेजों की वैधता समय-समय पर जांचते रहें। अधिकारियों ने बताया कि हापुड़ जिले में प्रमुख मार्गों, चौराहों और टोल प्लाजा पर आगे भी जांच अभियान जारी रहेगा। नियमों के विपरीत संचालित पुराने वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल, अब व्यवस्था को कागज नहीं जमीन पर कसौटी चाहिए

देश में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल प्रश्नों और उत्तरों का खेल नहीं हैं, बल्कि करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य, परिवारों की वर्षों की मेहनत और व्यवस्था के प्रति विश्वास से जुड़ा विषय हैं। ऐसे में नीट यूजी की परीक्षा व्यवस्था को लेकर सुप्रीम कोर्ट की 18 सितंबर 2026 की सुनवाई बेहद महत्वपूर्ण है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर न्यायाधीश स्वयं राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए के नए कार्यालय का दौरा कर सकते हैं और यह देख सकते हैं कि परीक्षा को सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाने के लिए किए गए इंतजाम वास्तव में जमीन पर किस तरह काम कर रहे हैं। यह टिप्पणी उस व्यापक चिंता को रेखांकित करती है जिसमें परीक्षा की विश्वसनीयता को केवल दावों के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक व्यवस्था के आधार पर परखा जाना जरूरी है।

19 अगस्त को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि नीट परीक्षा की मौजूदा व्यवस्था फूलप्रूफ है और उसमें सेंध लगाना आसान नहीं है। सरकार की ओर से प्रश्नपत्र की तैयारी, छपाई, परिवहन और वितरण से लेकर परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षा के विभिन्न उपायों की जानकारी अदालत को दी गई थी। प्रश्नपत्र ले जाने वाले वाहनों की जीपीएस निगरानी और मुद्रण केंद्रों पर सीसीटीवी जैसी व्यवस्थाओं का भी उल्लेख किया गया था। इसके बावजूद अदालत का यह रुख सामने आना महत्वपूर्ण है कि किसी भी व्यवस्था की वास्तविक मजबूती उसके कागजी प्रावधानों से नहीं, बल्कि उनके जमीन पर प्रभावी क्रियान्वयन से साबित होती है।

नीट को लेकर चल रही न्यायिक कार्यवाही में यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और अन्य याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार, निगरानी को मजबूत करने तथा कथित अनियमितताओं को रोकने के लिए व्यापक कदम उठाने की मांग की है। एनटीए को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। यहां यह समझना जरूरी है कि किसी संस्था को समाप्त करना या बनाए रखना अपने आप में परीक्षा की विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है। असली प्रश्न यह है कि परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के पास कितनी तकनीकी क्षमता, पर्याप्त मानव संसाधन, स्पष्ट जवाबदेही और स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था है। 18 सितंबर की सुनवाई में केंद्र ने अदालत को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय कार्यबल समिति ने परीक्षा प्रणाली से जुड़े विभिन्न पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया है और सितंबर के अंत तक अपनी पहली अंतरिम रिपोर्ट देने की संभावना है। अदालत ने सुधारों की प्रगति को लेकर केंद्र से हलफनामा भी मांगा है। यह संकेत देता है कि परीक्षा सुधार का मुद्दा केवल तत्काल विवाद के समाधान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे दीर्घकालीन संस्थागत सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का विस्तार लगातार हुआ है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी मेडिकल, इंजीनियरिंग, विश्वविद्यालयों और विभिन्न सरकारी सेवाओं में प्रवेश के लिए परीक्षाएं देते हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी में विद्यार्थियों के कई वर्ष और परिवारों की बड़ी आर्थिक तथा भावनात्मक ऊर्जा लगती है। इसलिए किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र की सुरक्षा से जुड़ी समस्या, तकनीकी गड़बड़ी, परीक्षा केंद्र की लापरवाही या परिणाम प्रक्रिया पर उठे सवाल केवल प्रशासनिक समस्या नहीं होते। उनका सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य और मानसिक दबाव पर पड़ता है।

~ मौलिक चिंतन ~

सच्चाई बेहद कड़वी लगती है और चाटुकारिता जरूरत से ज्यादा मीठी।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

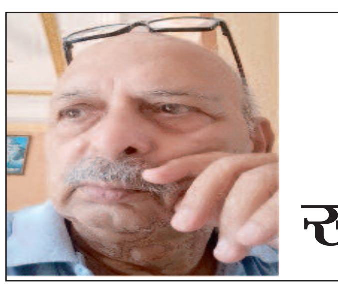

© विनय संकोची

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ह्यलाइकह्ण, एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

कछुआ की गति से भी धीमी है देश की अदालतों की चाल

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया की अदालतों में लंबित मुकदमों की कुल तादाद से अधिक तादाद हमारे इकलौते देश भारत में लंबित मुकदमों की है। हालत यह है कि लाखों लोगों को अपने जीवन में अदालत में लंबित मुकदमे का फैसला नहीं मिल पाता है हालांकि देश में कानून का संविधान का शासन है लेकिन यह कैसी कानून व्यवस्था है जिसमें न्याय पाने की लालसा में जिन्दगी बीत जाती है लेकिन न्याय नहीं मिलता है।और ऐसी लेटलतीफी भरी कानून व्यवस्था में कैसे किसी का विश्वास बना रह सकता है? देश में बढ़ती अराजकता भ्रष्टाचार और अपराध के लिए यही न्याय व्यवस्था जिम्मेदार है क्योंकि अपराधी को पता है कि अदालत की सुनवाई में दशकों बीत जाते हैं और तब तक गवाह को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर पक्षद्रोही कर लिया जाएगा और अपराधी बाईज्जत बरी होने में सफल हो जाता है। यही वजह है कि देश में दोषसिद्धी (कनविकशन) की दर बहुत कम सिर्फ 54 फीसद है. कहा जाता है कि देर से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. लेकिन देश की अदालती प्रक्रिया इस तरह जटिल और दुरूह है कि लोग अदालतों के चक्कर लगाते जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं और जब अदालत से न्याय मिलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। भारत की अदालतों में इस समय लगभग 5.86 करोड़ से अधिक मामले लंबित (पेंडिंग) हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश भर में लगभग 5.86 करोड़ मामले अटके हुए हैं। जिला व निचली अदालतों में सबसे अधिक करीब 5.2 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 64.97 लाख मामले लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95,000 मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबित होने के मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी होना भी है। देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं, जबकि विधि आयोग ने 50 जजों की सिफारिश की थी।

सरकार खुद बड़ी वादी है कुल लंबित मामलों में से लगभग 50% मामलों में सरकार खुद एक पक्ष या वादी है। भूमि और संपत्ति विवादः लगभग 20% मामले जमीन और संपत्ति के विवादों से जुड़े हैं।प्रक्रियागत देरी भी एक बड़ी समस्या है। बार-बार तारीखें लेना, कागजी कार्रवाई में देरी और पुराने तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

आज देश में पीड़ितों को न्याय के इंतजार में वर्षों लग रहे हैं और अदालतों में जारी तारीख पर तारीख के गलत रवैये के चलते मुकद्दमों के लटकते चले जाने के कारण न्याय की प्रतीक्षा में ही लोगों की पूरी जिंदगी बीत रही है ऐसी ही चंद घटनाओं से आपको रूबरू कराते हैं

4 फरवरी को गुजरात हाई कोर्ट ने नवम्बर, 1996 से लटकते आ रहे 30 वर्ष पुराने एक मामले में पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति को एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपयों की रिश्वत लेने के आरोप में बाइज्जत बरी कर दिया। वर्ष 2004 में निचली अदालत ने उसे 4 वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके कारण बाबूभाई प्रजापति की नौकरी और पैंशन सब चली गई।

बाबूभाई प्रजापति ने उक्त फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। बरी होने के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील से कहा था, मेरे जीवन से यह कलंक मिट गया, अब यदि भगवान मुझे उठा भी लें तो कोई दुख नहीं। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि फैसला आने के अगले ही दिन 5 फरवरी, 2026 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

5 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भारी कमियों के दृष्टिगत संदेह का लाभ देते हुए 2 इंजीनियरों वी. के. दत्ता और दिनेश गर्ग को 35 वर्ष पूर्व 20 सितम्बर, 1991 को उन पर लगे 1,800 रुपए रिश्वत मांगने के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग को साबित करने में नाकाम रहा है। निचली अदालत ने वर्ष 2002 में इन्हें 2 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी।

1 जुलाई को लखनऊ की सी.बी.आई. अदालत ने लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की 8 अगस्त, 2002 को हत्या के लगभग 23 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश यादव को उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान अन्य आरोपी मन्नालाल, वेद प्रकाश व छोटेलाल मर चुके हैं। 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1996 के 30 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए गुजरात सरकार के 2 कर्मचारियों (1 क्लर्क और 1 चपरासी) को बरी कर दिया क्योंकि उन पर अभियोग पक्ष अपना आरोप सिद्ध न कर सका। इन दोनों पर एक छात्र को वजीफे के लिए आय प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में 20 रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था और निचली अदालत ने उन्हें एक वर्ष की सजा सुनाई थी।

25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने डबल मर्डर से जुड़े लगभग 45 वर्ष पुराने मामले में देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता पर बेहद सख्त और चिंताजनक टिप्पणी की। निचली अदालत को इस मामले का ट्रायल (सुनवाई)पूरा करने में ही 22 वर्ष लग गए। इसके बाद, जब मामले की अपील की गई, तो झारखंड हाई कोर्ट ने भी अपना फैसला सुनाने में 22 वर्ष का लंबा समय लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस भयंकर देरी को न्यायिक व्यवस्था की विफलता करार देते हुए 70 वर्षीय आरोपी की सजा को सस्पेंड (स्थगित) करते हुए उसे रिहा कर दिया। अदालत ने गौर किया कि 6 आरोपियों में से 2 की मौत आरोप तय होने से पहले ही हो गई थी जबकि दोषी ठहराए गए 4 में से 3 आरोपियों की मौत हाई कोर्ट में ममला लम्बित रहने के दौरान हो गई थी।

1 सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन बैंक के एक पूर्व ब्रांच मैनेजर को वर्ष 1991 से उसके विरुद्ध चल रहे 35 वर्ष पुराने भ्रष्टाचार के मामले में बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके लगाए हुए आरोप पूर्णतः मनगढ़ंत पाए गए।

अदालतों पर मुकद्दमों का भारी बोझ होने के चलते न्याय मिलने में विलंब को देखते हुए ही लोगों ने कई मामलों में स्वयं कानून हाथ में लेना शुरू कर दिया है और इसीलिए समय-समय पर लोगों द्वारा अपराध के शक में लोगों को पकड़ कर बिना सच्चाई जाने ही पीट-पीट कर मार डालने के समाचार तक आने लगे हैं।इस तरह की नौबत न आए इसके लिए जहां देश की छोटी-बड़ी सभी अदालतों में जजों की कमी यथाशीघ्र दूर करने की आवश्यकता है, वहीं अदालतों में न्याय प्रक्रिया को चुस्त तथा और तेज करने की भी जरूरत है। यदि अदालतों में पर्याप्त संख्या में जज ही नहीं होंगे तो फिर भला लोगों को समय पर न्याय किस प्रकार मिल सकता है।

बिना किसी संदेह के, भारतीय अदालतों में मामलों की भारी तादाद में लंबित मामले न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5.4 करोड़ (54 मिलियन) से अधिक हो चुकी है, जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 80% की भारी वृद्धि देखी गई है।इन लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 85% से अधिक) निचली या अधीनस्थ अदालतों में है, वहीं, सर्वोच्च न्यायालय में भी लगभग 85,000 मामले लंबित हैं। ।स्वीकृत पदों का खाली होनाअदालतों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में से एक बड़ी संख्या खाली पड़ी रहती है। निचली अदालतों में हजारों पद और उच्च न्यायालयों में सैकड़ों पद लंबे समय से रिक्त हैं क्योंकि भर्ती और नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। बुनियादी ढांचे या निचली अदालतों में कोर्ट हॉल, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं) और सहायक कर्मचारियों (जैसे आशुलिपिक और क्लर्क) की भारी कमी है, जिससे दैनिक सुनवाई की गति धीमी हो जाती है। अंतर-विभागीय विवादों और अनावश्यक अपीलों के कारण अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है। प्रक्रियात्मक कमियां और स्थगन अदालती प्रक्रियाओं में बार-बार मिलने वाली तारीखें , बार-बार की जाने वाली अपीलें, और मुकदमों के प्रबंधन की कुशल प्रणाली न होना मामले को सालों-साल खींचता है। वैकल्पिक विवाद समाधान का कम उपयोगमध्यस्थता सुलह और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों का देश में अभी भी उतना प्रभावी और व्यापक उपयोग नहीं हो पा रहा है जितना होना चाहिए ताकि छोटे मामलों को कोर्ट से बाहर ही सुलझाया जा सके। सुधार के प्रयासःइस संकट से निपटने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष बेंचों का गठन करने जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही, सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग

फिर भी इस बदलाव को केवल ह्यशुल्क लगा या नहीं लगाह्ण के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति

दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।

इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरूआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्दय और ह्दय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

मशरुम की खेती

मशरुम की उपयोगिता

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्रोरोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) ः 150-180 डिग्री से; नमीः 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी.फ्लोरिडा, पी.सैपीडस, पी.फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्रोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके – फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट – एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

3. लकड़ी के सांचे – 45ङ्ख30ङ्ख15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ङ्ख29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

7. टाट के बोरे 8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

9. एक स्प्रेयर 10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ङ्ख8 मी. आकार का।

स्पानिंग

प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अतः, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्ख100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठमायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0X2.5X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अतः जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

1. हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

1. नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

2. मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

3. कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण :घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

4. शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

एलिवेट कैंपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

एलिवेट कैंपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार तीन दिन का सार्वजनिक निर्गम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है। कंपनी उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर के भीतर छात्र आवास सुविधाओं का स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन करती है। इसके पास के-12 शिक्षा से जुड़ी परिसंपत्तियां भी हैं।एलिवेट कैंपस अपने मंच के जरिये संस्थानों को छात्र आवास, भोजन, सुरक्षा और परिसर संचालन सहित एकीकृत गैर-शैक्षणिक सेवाएं उपलब्ध कराती है।निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल के-12 संस्थाओं और परिसरों के अधिग्रहण, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

सरकारी बैंकों के विलय का वायरल दावा फर्जी, सरकार ने लोगों को किया सतर्क

पीआईबी फैक्ट चेक ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स के तीन बड़े बैंकों में विलय संबंधी दस्तावेज को बताया नकली

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों सरकारी बैंकों के विलय से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स (पीएसबी) को तीन बड़े बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को फर्जी बताया है और लोगों को ऐसी भ्रामक खबरों से सतर्क रहने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इस वायरल दस्तावेज की जांच के बाद इसे फर्जी करार दिया है। पीआईबी के अनुसार, यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय ने जारी नहीं किया है। दरअसल, दो पेज के इस नकली गजट में दावा किया गया था कि इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रुप बनाया जाएगा। इसी तरह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में, जबकि केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूको बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की बात कही गई थी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली ऐसी खबरों पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी सरकारी फैसले की जानकारी के लिए आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों को ही देखें। फिलहाल ग्राहकों को अपने बैंक खाते, जमा पैसे या बैंकिंग सेवाओं को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोना 84 रुपए और चांदी 1170 रुपए महंगी

सोना 1,53,065 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,39,375 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 84 रुपये चढ़कर 1,53,065 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, जबकि चांदी 1170 रुपये की तेजी के साथ 2,39,375 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया। अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ 4397 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी 0.63 फीसदी उछलकर 66.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग एक फीसदी की गिरावट और डॉलर के हालिया उच्च स्तर से नीचे आने से सोने को समर्थन मिला है। डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के आगामी फैसलों पर भी बाजार की नजर है। प्रमुख भारतीय शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत चेन्नई, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 15,283 रुपये प्रति ग्राम रही, जबकि दिल्ली में यह 15,298 रुपये प्रति ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव अधिकांश शहरों में 14,009 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया, वहीं दिल्ली में 14,024 रुपये प्रति ग्राम रहा। 18 कैरेट सोने की दरें चेन्नई में 11,779 रुपये और दिल्ली में 11,482 रुपये प्रति ग्राम थीं।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया, 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक झटकों के बीच अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; तेल की ऊंची कीमतें और अल नीनो बन सकते हैं चुनौती

नई दिल्ली । मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है, जो पहले छह प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उसने तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के संभावित जोखिमों के प्रति आगाह भी किया है। इस वृद्धि के पीछे मजबूत निजी खपत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहा खर्च, और सेवा क्षेत्र का निरंतर बेहतर प्रदर्शन प्रमुख कारण हैं। मूडीज के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई, जो मजबूत आर्थिक गति का संकेत देती है। एजेंसी ने निजी क्षेत्र के निवेश में संभावित सुधार को भी सकारात्मक माना है। हालांकि, मूडीज ने कुछ जोखिमों के प्रति भी आगाह किया है। एजेंसी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है, तो तेल की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति को उसके 4.8 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर ले जा सकती हैं। इसके अलावा, अल नीनो के प्रभाव से खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने और निजी खपत व आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। एजेंसी ने देश पर कर्ज के उच्च बोझ और ब्याज लागत को भी कर्ज चुकाने की क्षमता के लिए धीमी चुनौती बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के कच्चे तेल आयात स्रोतों का विविधीकरण और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। मूडीज ने यह भी उम्मीद जताई है कि भारत अन्य जी20 देशों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जापान की जेसीआर ने भी 35 साल बाद भारत की रेटिंग को ए- तक बढ़ाया था, जो देश की मजबूत आर्थिक स्थिति का एक और प्रमाण है। आरबीआई के अनुमान से अधिक, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

कच्चे तेल में तीसरे दिन भी नरमी

ब्रेंट क्रूड आयल 104 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शुक्रवार गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, सऊदी अरब से तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका कम होने से बाजार को राहत मिली है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड लगभग 1 फीसदी गिरकर 103.77 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 100.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द बहाल होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह ड्रोन हमले के बाद इस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिससे आपूर्ति प्रभावित होने का डर था।

साथ ही, सऊदी अरब ओमान के सोहर बंदरगाह के जरिए एशियाई खरीदारों को वैकल्पिक रास्ते से तेल पहुंचा रहा है, जिससे बाजार में तेल की कमी का खतरा कुछ कम हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार है, लेकिन बाजार का ध्यान अब वास्तविक तेल आपूर्ति पर है। पिछली तेजी के बाद मुनाफावसूली भी हुई है।

ब्रेंट क्रूड अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, और आपूर्ति जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगर पाइपलाइन की मरम्मत में देरी हुई या क्षेत्र में कोई नया बड़ा हमला हुआ तो कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं।

भारतीय उत्पादों का ग्लोबल फेस्टिवल, घरेलू बिक्री 5 साल के शिखर पर

त्योहारी रौनक ने खाद्य उत्पाद, वस्त्र और हस्तशिल्प की मांग बढ़ाई

नई दिल्ली ।

गणेशोत्सव से शुरू हुए त्योहारी सीजन ने घरेलू बाजारों में खरीदारी का उत्साह पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। साथ ही, दुनिया भर में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने निर्यात को भी नया आयाम दिया है। देश में मिठाई, कपड़े और सजावटी सामान की बिक्री में तेजी है। वहीं, अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और भारतीय प्रवासी बहुल बाजारों में भारतीय स्वाद, संस्कृति और उत्पादों, जैसे खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प की मांग में भारी इजाफा हुआ है। अगस्त में भारत का माल निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें त्योहारी ऑर्डर और अमेरिकी मांग ने अहम भूमिका निभाई। यूरोप में भारतीय खाद्य उत्पादों के ऑर्डर 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जबकि अमेरिका में टेक्सटाइल और तैयार कपड़ों के ऑर्डरों में 30-40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के अनुसार, 52 फीसदी परिधान निर्माताओं को बेहतर बिक्री की उम्मीद है। मावा की मिठाइयों की मांग 145 फीसदी बढ़ी है, जिसमें खाड़ी देश एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरे हैं। कुवैत, ओमान और बहरीन में मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन और मसालों की लगातार खरीद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और चीन पर निर्भरता कम होने से भारतीय निर्यातकों को नए अवसर मिल रहे हैं। छोटे शहरों में भी कारोबार तेज होने से समग्र बाजार भावना सकारात्मक बनी हुई है।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों में गिरावट से बाजार उठ नहीं पाया। आज केवल व्यापक बाजार ने ही बाजार में गिरावट पर अंकुश लगाये रखा। बेंचमार्क इंडेक्स दिनभर एक सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आए।

दिन भर के कारोबर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स

19.63 अंक नीचे आकर 74,294.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.80 अंक की बढ़त लेकर 23,346.40 के स्तर पर बंद हुआ। .

यह पहली बार है जब निफ्टी 23,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ है। आज कारोबार में छोटे और मझोले शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.24 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.74 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियलिटी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टर्स में आज सबसे ज्यादा तेजी रही। . कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में

आज सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई और यह बाजार पर दबाव बनाने का काम करता रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। वैश्विक संकेतों और तेल की कीमतों में कमी आने से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला और वे हरे निशान पर खुल गए, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.37 अंकों की बढ़त के साथ 74,479.96 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 52.35 अंक बढ़कर 23,322.95 पर खुला।

जापान ने भी बढ़ाई ब्याज दर, 31 साल का रिकॉर्ड टूटा

बैंक ऑफ जापान ने मुख्य दर बढ़ाकर 1.25 फीसदी की

नई दिल्ली ।

जापान के केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ जापान ने महंगाई पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर मुद्रा येन को सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.25 फीसदी कर दिया। यह पिछले 31 सालों में जापान में ब्याज दर का सबसे उच्चतम स्तर है, जो अंतिम बार 1995 में इस स्तर पर थी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध और घरेलू चुनौतियों से जापान की अर्थव्यवस्था जूझ रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और विशेषकर ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की कीमतों में आए उछाल ने जापान पर भारी दबाव डाला है। जापान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का सीधा असर उस पर पड़ता है। देश पहले से ही तीनहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है - लगातार कमजोर होता येन, बढ़ती कीमतें और घटता कार्यबल। ऊर्जा महंगी होने से जापान का आयात बिल बढ़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। लंबे समय तक जापान अपनी बेहद कम ब्याज दरों के लिए जाना जाता था, जहां दशकों तक कीमतों में गिरावट (डिफ्लेशन) एक बड़ी समस्या थी। बैंक ऑफ जापान ने 2024 तक (नकारात्मक -0.1 फीसदी) जैसी बेहद कम दरों पर भी काम किया है। हालांकि, अब हालात बदल रहे हैं; पिछले ढाई सालों में बैंक ने छह बार दरें बढ़ाई हैं, जो अब 1.25 फीसदी पर पहुंच गई हैं। यह दिखाता है कि देश अब बढ़ती कीमतों की नई चुनौती का सामना कर रहा है। हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में जापान की मुख्य महंगाई दर 1.7 फीसदी रही, जो जुलाई के 1.8 फीसदी से थोड़ी कम है, लेकिन बैंक ऑफ जापान के 2 फीसदी के लक्ष्य के करीब बनी हुई है। दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले जापान में महंगाई बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन जापान के लिए लगातार बढ़ती कीमतें पिछले कुछ दशकों के मुकाबले एक बड़ा बदलाव हैं। जापानी येन पिछले कई महीनों से दबाव में है और अगस्त में यह 40 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था। येन की गिरावट को रोकने के लिए जापान और अमेरिका को बाजार में संयुक्त हस्तक्षेप करना पड़ा था। आम तौर पर किसी देश में ब्याज दर बढ़ने से उसकी मुद्रा को मजबूती मिलती है क्योंकि विदेशी निवेशकों के लिए वहां निवेश करना अधिक आकर्षक हो जाता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतों के 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सिंगापुर-भारत व्यापार को नई दिशा देगा एसआईसीसीआई- मेनन

सिंगापुर ।

सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रदीप मेनन ने संगठन की नई रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया है। इसके तहत एसआईसीसीआई भारत सरकार, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करना और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देना है। मेनन ने बताया कि अगले तीन से छह महीनों में, एसआईसीसीआई भारत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा।

संगठन प्रमुख भारतीय राज्यों में लक्षित व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भेजेगा, जिसकी शुरुआत तमिलनाडु से होगी, ताकि सिंगापुर स्थित कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर खोले जा सकें। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले संबंध पर जोर दिया।

मेनन के अनुसार भारतीय कंपनियों को सिंगापुर से कारोबार की उत्पादकता बढ़ाने वाली विशेषज्ञता मिलती है, जबकि सिंगापुर की कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभा के बड़े समूह तक पहुंच मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सिंगापुर के लिए मानव संसाधन का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रतिभा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। एसआईसीसीआई का लक्ष्य क्षेत्रीय पूंजी के लिए सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका को भी मजबूत करना है, विशेष रूप से आसियान निवेशकों के लिए जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पारदर्शी निवेश करना चाहते हैं। मेनन ने पिछले महीने ही एसआईसीसीआई के सीईओ का पद संभाला है; वह 2003 से 2010 तक भी इस पद पर रह चुके हैं।

टाटा संस पर आरबीआई फैसले का शापूर मिस्त्री ने किया स्वागत

- मिस्त्री ने कहा- यह कदम कंपनी में जवाबदेही बढ़ाएगा, शेयरधारकों और ट्रस्ट के बीच बनेगा पुल

नई दिल्ली ।

शापूरजी पल्लोनजी समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने टाटा संस को अपर-लेयर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (बीएफसी) के नियमों के तहत लाने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत किया है। मिस्त्री ने इस कदम को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण बताया, जिससे इसके सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उनके परिवार के स्वामित्व वाले शापूरजी पल्लोनजी समूह की टाटा संस में लगभग 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरबीआई ने 11 सितंबर को टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे नियामक ढांचे का पालन करने का निर्देश दिया था। इस फैसले से वर्षों से निजी स्वामित्व वाली कंपनी का दर्जा बनाए रखने के प्रयासों के बाद, अब टाटा संस के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले को किसी एक हिस्सेदार की दूसरे पर जीत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टाटा संस की सूचीबद्धता शेयरधारकों और टाटा ट्रस्ट्स के बीच तथा निजी स्वामित्व एवं सार्वजनिक जवाबदेही के बीच एक सेतु बन सकती है। मिस्त्री ने आगे कहा कि सूचीबद्धता से होल्डिंग कंपनी के मूल्य के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, व्यावसायिक कामकाज मजबूत होगा और टाटा ट्रस्ट्स की परोपकारी गतिविधियों के लिए मूल्य का अधिक टिकाऊ प्रवाह सुनिश्चित होगा।

सत्य नडेला ने सराही भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई पर दिया जोर

सिएटल में आइडियाज4इंडिया फोरम में 40 से अधिक भारतीय मूल के टेक सीईओ और सीटीओ हुए शामिल

न्यूयॉर्क ।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सिएटल में भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी समुदाय और भारत के साथ इसके बढ़ते मजबूत संबंधों की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) ‍को एक ऐसी सामान्य उपयोग वाली प्रौद्योगिकी बताया, जिसके लाभ इसके व्यापक अपनाने पर निर्भर करेंगे। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित आइडियाज4इंडिया- इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम- अनलॉकिंग द टेक डिविडेंड कार्यक्रम में नडेला ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय मूल के सीईओ को संबोधित किया।

उन्होंने पिछले 35 वर्षों में सिएटल के प्रौद्योगिकी समुदाय की प्रगति और भारत के साथ उसके संबंधों के सुदृढ़ीकरण पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने भारतीय मूल के सीईओ तथा कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों की भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करने की मजबूत इच्छा का स्वागत किया। क्वात्रा ने दोहराया कि भारत का एआई मिशन समावेशिता, खुलेपन, संप्रभुता, सभी के लिए समान पहुंच, सुरक्षा और भरोसे के सिद्धांतों पर मजबूती से आधारित रहेगा। इस विशेष कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, बोइंग, ओपनएआई, एंथ्रोपिक और इंटेल जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के 40 से अधिक भारतीय मूल के सीईओ और सीटीओ शामिल हुए। इनमें से कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से कार्यरत हैं।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा मजबूत- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

गुजरात और असम में 14 अरब डॉलर की परियोजनाएं ट्रैक पर

नई दिल्ली ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अधिकारी ने घोषणा की है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा बेहद मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने सेमीकॉन 2.0 के तहत मिली नीतिगत स्थिरता को उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बताया, जिससे कार्ययोजना में महत्वपूर्ण निरंतरता बनी हुई है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अपनी मजबूत जगह बनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है और इस प्रयास में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अधिकारी ने सेमीकॉन इंडिया के मौके पर कहा कि हमारे कारोबार में निरंतरता महत्वपूर्ण है और सेमीकंडक्टर एक कार्ययोजना आधारित यात्रा है। सेमीकंडक्टर 1.0 योजना के बाद सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर 2.0 लाना उत्साहजनक है, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि जैसे-जैसे कंपनी नकदी प्रवाह उत्पन्न करेगी, वह लगातार निवेश करती रहेगी और इस यात्रा को आगे बढ़ाएगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) स्थापित कर रहा है, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये (लगभग 11 अरब डॉलर) का निवेश किया जा रहा है। यह संयंत्र 28 नैनोमीटर से 110 नैनोमीटर तक की प्रौद्योगिकी नोड पर चिप बनाएगा, जिनका उपयोग वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी असम के जागीरोड में देश की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण सुविधा के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश कर रही है। दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने पुष्टि की कि धोलेरा का विनिर्माण संयंत्र और जागीरोड की पैकेजिंग सुविधा दोनों सरकार के साथ तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकॉन इंडिया के दौरान टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा हस्ताक्षरित 16 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का उद्देश्य उपकरण, बुनियादी ढांचा, गैस एवं रसायन तथा प्रतिभा विकास सहित एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।

34 गेंदों में 108 रन अभिषेक ने मचाई तबाही

भारत-अफगानिस्तान... टूट गए टी20 के 12 रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने ऐसी पारी खेली, जिसने टी20 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में कई नए पन्ने जोड़ दिए। उन्होंने महज 34 गेंदों में 108 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 317.64 रहा। अभिषेक ने अपनी पारी में नौ चौके और 11 छक्के लगाए। उनकी इस पारी का सबसे बड़ा आकर्षण 30 गेंदों में पूरा हुआ शतक रहा। यह भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगाया गया सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था, लेकिन अभिषेक का रिकॉर्ड सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ भी सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

30 गेंदों में शतक, भारत के लिए सबसे तेज

अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक है। इससे पहले भारत के लिए सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था। रोहित ने 22 दिसंबर 2017 को इंदौर में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था।अभिषेक ने इस रिकॉर्ड को पांच गेंद से बेहतर किया। इतना ही नहीं, किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी यह सबसे तेज शतक है। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था।

102 रन सिर्फ चौके-छक्कों से

अभिषेक ने अपनी 108 रन की पारी में 102 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से बनाए। यानी उनकी कुल पारी के 94.44 प्रतिशत रन बाउंड्रीज से आए। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाने वाले बल्लेबाज की पारी में बाउंड्रीज से आए रनों का यह सबसे बड़ा अनुपात है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मुहम्मद फहद के नाम था। उन्होंने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 120 रन बनाए थे, जिसमें 112 रन चौकों और छक्कों से आए थे। यह 93.33 प्रतिशत था। अभिषेक ने इस मामले में भी नया रिकॉर्ड बना दिया। उनकी 108 रन की पारी में सिर्फ छह रन ऐसे रहे, जो चौके या छक्के के अलावा आए।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय... तीसरा सबसे तेज शतक

अभिषेक का 30 गेंदों में आया शतक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे आगे सिर्फ एस्टोनिया के साहिल चौहान और तुर्किये के मुहम्मद फहद हैं। साहिल चौहान ने 2024 में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था, जबकि मुहम्मद फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में यह कारनामा किया था। अभिषेक शर्मा ने अपने शतक तक पहुंचने के लिए पारी के 8.3 ओवर का समय लिया। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह किसी बल्लेबाज के व्यक्तिगत शतक तक पहुंचने के लिए दूसरा सबसे कम ओवर है। इस मामले में भी उनसे आगे मुहम्मद फहद हैं। फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ सिर्फ 7.4 ओवर में अपना शतक पूरा कर लिया था। यानी अभिषेक ने यहां भी एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जहां उनसे आगे सिर्फ एक बल्लेबाज है। अभिषेक की पारी का असर सिर्फ उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स तक सीमित नहीं रहा। भारत ने शुरुआती छह ओवरों में ही ऐसा स्कोर खड़ा कर दिया, जो उसके टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में नया रिकॉर्ड बन गया। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती छह ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए 100 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 95 रन था, जो उसने 2025 में वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। उस दौरान भारत ने एक विकेट गंवाया था। दिलचस्प बात यह भी है कि उपलब्ध गेंद-दर-गेंद आंकड़ों के अनुसार भारत से पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में आठ टीमें पावरप्ले में 100 या उससे ज्यादा रन बना चुकी थीं। अब भारत भी इस सूची में शामिल हो गया।अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ 108 रन की पारी के दौरान 11 छक्के लगाए।

एशियाडः भारतीय खिलाड़ियों के लिए बुक कराने पड़े अतिरिक्त कमरे

शटलर-वेटलिफ्टर भी एयरपोर्ट पर करते रहे इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के शुरू होने से पहले ही जापान में भारतीय खिलाड़ियों की परेशानियां दूर होने का नाम नहीं ले रही हैं। आयोजकों की खामी के चलते रोइंग, शूटिंग के बाद बैडमिंटन और वेटलिफ्टिंग टीम को नागोया में कई घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

नागोया में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से बुक कराए गए कमरों की संख्या पहले से ही कम कर दी गई है। 20 और 21 सितंबर को सभी भारतीय खिलाड़ी नागोया पहुंच रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरों की देखते हुए भारतीय दल के शेफ डी मिशन सहदेव यादव ने एजेंट के जरिये बृहस्पतिवार को होटल में 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए हैं। आयोजकों ने भारतीय खिलाड़ियों के तकरीबन 40 कमरे कम बुक किए हैं।

खिलाड़ियों के लिए बुक नहीं थे कमरे

सहदेव यादव का कहना है कि अभी खिलाड़ियों के ठहरने को लेकर कोई दिक्कत नहीं आ रही है, लेकिन 20 और 21 सितंबर को जब पूरा भारतीय दल यहां पहुंचेगा तो सभी के रुकने के लिए कमरे नहीं हैं। कोई परेशानी न हो इसलिए नागोया से एक घंटे की दूरी पर 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए गए हैं। जिन खिलाड़ियों को यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं होगी। उन्हें इस होटल में ठहराया जाएगा।

मीरा भी एयरपोर्ट पर फंसी रहीं

भारतीय खिलाड़ियों को ट्रांसपोर्ट के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा रहा है। भारतीय शूटिंग टीम को ट्रांसपोर्ट नहीं मिलने से उनकी ट्रेनिंग बाधित हुई है। बैडमिंटन टीम बुधवार की रात तकरीबन छह घंटे तक एयरपोर्ट पर फंसी रही। यही नहीं कोच विजय शर्मा के साथ बृहस्पतिवार को नागोया पहुंची मीराबाई चानू को भी एयरपोर्ट पर कई घंटे बैठे रहना पड़ा। बुधवार को रोइंग टीम को क्रूज शिप में ठहरने के लिए नौ से 10 घंटे इंतजार करना पड़ा था। रोइंग टीम ने अपने पास से खाना खाया। हालांकि आईओए ने रोइंग दल से कहा है कि उनके खाने के पैसे का भुगतान कर दिया जाएगा।

चार खिलाड़ियों को बदला जाएगा

आईओए ने चार चोटिल खिलाड़ियों के बदलाव के लिए आयोजकों से प्रार्थना की है। चोटिल लॉन्ग जंपर शाहनवाज खान की जगह डेविड सोलोमन, क्रिकेटर वरुण चक्रवर्ती की जगह विप्रज निगम, तलवारबाज प्राची मोहन की जगह अनुप्रिया और रग्बी खिलाड़ी प्रभाती हंसदा की जगह मामा नायक को बदलने के लिए कहा गया है। इन बदलाव के लिए आयोजकों की हरी झंडी का इंतजार है।

शेफाली-श्री चरणी का धमाका!

भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। जापान के निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को आठ विकेट से हरा दिया। 58 रन के लक्ष्य को भारत ने पांच ओवर में हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा ने विनिंग सिक्स लगाया। वह 15 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं, ऋचा घोष छह गेंद में दो चौके की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में उसी दिन पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी।

जापान की पारी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर सिमट गई थी। टीम को पहला झटका सातवें ओवर में लगा था। हालांकि, इसके बाद जैसे ही पहला विकेट गिरा, जापान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। हारुना इवासाकी 10 रन, अयाका कातो स्टैफर्ड 47 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुईं। ये दोनों ओपनर्स ने ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। इसके बाद कप्तान माई यानागिदा खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं।

वहीं, एरिका ओडा पांच रन, शिमाको कातो तीन रन, अकारी निशिमुरा कानो दो रन, हीनासी गोतो एक रन बना सकीं। अहिल्या चंदेल और एरिका तोगुची क्विन खाता खोले बिना आउट हुईं। भारत के लिए श्री चरणी ने चार विकेट झटके, वहीं शेफाली वर्मा को दो विकेट मिले। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने मलेशिया को हराया था

वहीं, श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान चमारी अटापट्टू की 37 गेंदों पर तीन छक्कों और सात चौकों की मदद से खेली गई 63 रनों की पारी के दम पर श्रीलंका ने 20 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाए थे। चमारी के अलावा काविशा दिल्हारी ने 27 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 44, हर्षिता समरविक्रमा ने 18 गेंदों पर 25 और हसिनी परेरा ने 23 रन की पारी खेली। मलयेशिया की तरफ से नूरीन इमानिना ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए।161 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी मलयेशिया की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 74 रन ही बना सकी और 86 रन से मैच हार गई। मलेशिया के लिए विनीफ्रेड दुरैसिंगम ने 28 और माहिरा इज्जती इस्माइल ने 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकीं। श्रीलंका के लिए मिथाली अयोध्या, काविशा दिल्हारी और कप्तान चमारी ने दो-दो विकेट लिए।

पाकिस्तान की टीम को जूझना पड़ा

वहीं, पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पाकिस्तान को थाइलैंड पर जीत बहुत मुश्किल से मिली थी। पाकिस्तान ने थाइलैंड के दिए 92 रन के लक्ष्य को हासिल करने में अपने सात विकेट गंवा दिए थे। निर्धारित 11 ओवर के मैच में पाकिस्तान को दो गेंद पहले जीत मिली थी।

बांग्लादेश भी अंतिम-चार में

इसके अलावा बांग्लादेश ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उसका और चीन का सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। बेहतर सीडिंग की वजह से बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंच गया। सेमीफाइनल में उसका सामना 20 सितंबर को भारत और जापान के बीच जीत दर्ज करने वाली टीम से होगा।

शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा: मनीषा

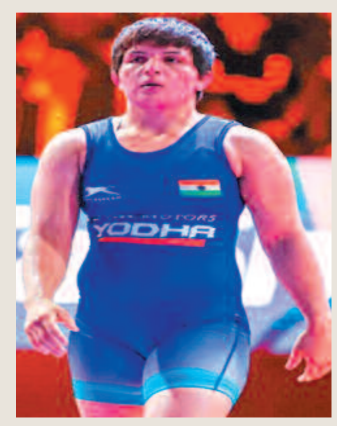

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, 'मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं। मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।'

'बॉल-टैम्परिंग' की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है, दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले स्टीव स्मिथ का बयान

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था।

कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं।स्मिथ ने कहा, 'निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी। '

एशियाई खेल: भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं ये पांच खिलाड़ी

स्क्वाश में भी मिल सकती है सफलता

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 का आगाज 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। भारत ने इस बार कुल 503 एथलीट का दल भेजा है, जो कुल 35 खेलों में हिस्सा लेंगे। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो इस मेगा इवेंट में भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं। ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में जो पदक ला सकते हैं...

साक्षी चौधरी: महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने बेहद कम समय में अपनी खास पहचान बनाई है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में साक्षी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा था और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही थीं। साक्षी ने फाइनल में रूबी व्हाइट के 68 मैचों से चले आ रहे जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया था। भले ही वह पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा ले रही हों, लेकिन वह अपने प्रदर्शन से हर किसी को हैरान करने का दमखम रखती हैं, जिसकी झलक वो कॉमनवेल्थ गेम्स में ही दिखा चुकी हैं।

अनाहत सिंह: महज 18 साल की उम्र में एशियाई खेल 2026 में हिस्सा लेने जा रहीं अनाहत सिंह स्क्वैश के खेल में दमदार प्रदर्शन कर सकती हैं। अनाहत ने अभी हाल ही में विश्व

जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीती थी। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। अनाहत अपनी हालिया फॉर्म को अगर बरकरार रखने में सफल रहीं, तो वह देश की झोली में मेडल डाल सकती हैं।

अनुष्का यादव: एशियन गेम्स 2026 की एथलेटिक्स टीम में जगह बनाने वालीं अनुष्का यादव टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ सकती हैं। अनुष्का हैमर थ्रो स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम कर चुकी हैं। अब वह एशियाई खेलों में दमदार प्रदर्शन करके विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने को बेकरार होंगी।

आयुष शेट्टी: बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपने खेल से हर किसी को हैरान कर दिया था। उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को हराते हुए बड़ा उलटफेर किया था। 21 वर्षीय आयुष पहली बार एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने जा रहे हैं। 6 फीट और 4 इंच का यह खिलाड़ी अपनी दमदार स्मैश और खेल के बूते एशियन गेम्स में भारत को मेडल दिला सकते हैं।

सिंड्रेला दास: टेबल टेनिस में सिंड्रेला ने अपने खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है। सिंड्रेला की उम्र महज 17 साल है, लेकिन अपनी फुर्ती और शानदार खेल से वह बड़ी सी बड़ी खिलाड़ियों पर हावी नजर आई हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 4013

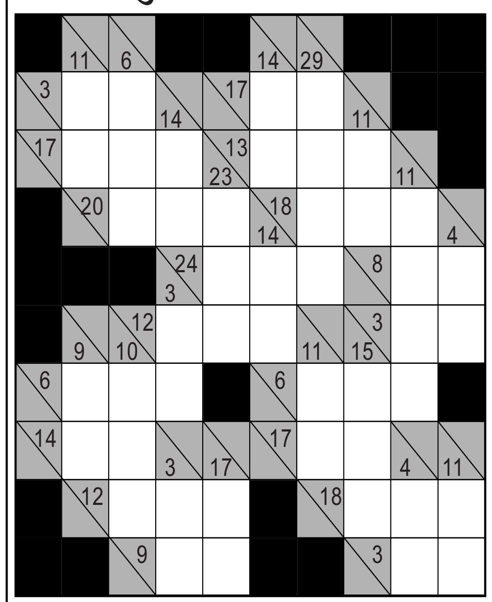

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

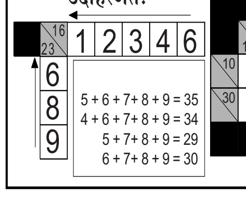

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4012 का हल

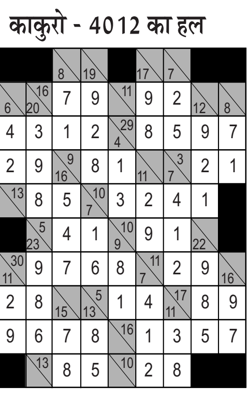

हंसी के फूव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा- 'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया- 'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4013

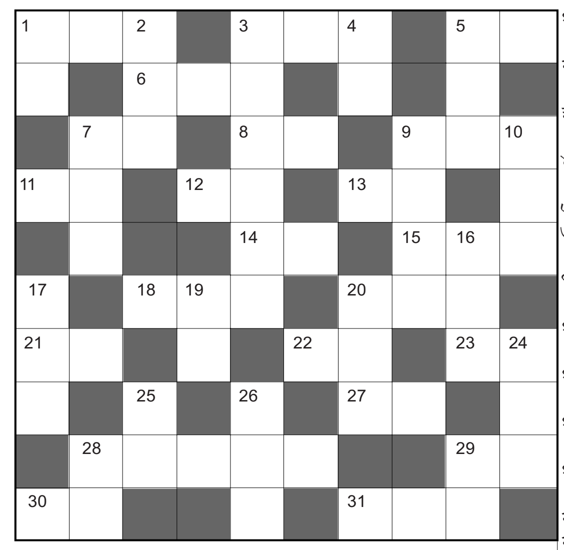

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4012

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु -4013

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4012 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -4013

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -4012 का हल

10 स्किन फ्रेंडली टिप्स फॉर ऑफिस

1. अपनी डेस्क पर पानी की बोतल हमेशा रखें ताकि आपको याद रहे कि आपको रेगुलर पानी पीते रहना है। ऑफिस में काम करने वाले अधिकतर लोग डिहाइड्रेशन की समस्या जूझते हैं क्योंकि वे अपने काम में इतना रम जाते हैं कि उन्हें अपने शरीर की मांग का पता नहीं चल पाता। यही फर्क स्किन पर भी दिखता है।

2. आपका दिमाग सुचारू रूप से काम करता रहे, इसके लिए आप कॉफी का साथ नहीं छोड़ते। आपकी डेस्क पर कॉफी का कप हमेशा रहता है तो आपके लिए घबराने वाली बात है। कॉफी से बेहतर है कि आप चाय पिएं लेकिन यह भी सही मात्रा में। दरअसल चाय में स्किन फ्रेंडली एंटिऑक्सिडेंट्स होते हैं।

3. ब्यूटी एक्सपर्ट विघा टिकारी के अनुसार, अपने चेहरे को लंच टाइम पर पानी से धो डालिए। आधे घंटे बिना मेकअप के रहिए, स्किन को सांस लेने दीजिए। संभव हो तो फेस वॉश साथ रखिए, इससे अपने चेहरे का मेकअप हटा डालिए। याद रखिए कि मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है और ब्लैकहेड्स/एक्ने को बढ़ाता है।

4. यदि आपके बैठने की जगह खिड़की के पास है और वहां ब्लाइंड्स लगे हैं तो ध्यान रखिए कि आपने सनस्क्रीन चेहरे पर लगाया हो। भले ही आपके चेहरे पर सूरज की रोशनी सीधी न पड़ रही हो पर इससे भी स्किन टैन तो होती ही है।

5. एयरकंडीशन आपकी स्किन के मॉयश्चर को चुराता है। यदि एसी सीधे आपकी आर है तो उसे टर्न कर दीजिए। अपने ड्रॉअर में मॉयश्चराइजर रखिए, इसे हर दो-तीन घंटे पर अपनी खुली स्किन पर अप्लाई कीजिए।

6. यदि आप लंबे समय तक सीट बैठे हैं तो अपने पैर को खुली हवा में सांस तो लेने दीजिए। जूते/सैंडिल उतार दीजिए। यदि आपके पैर लंबे समय तक बंद रहते हैं तो फंगल फूट इंफेक्शन होने की आशंका रहती है।

7. ज्यादा देर तक कंप्यूटर स्क्रीन की आर देखते मत रहिए। स्क्रीन से आने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें स्किन को टैन करती हैं और आंखों के नीचे डार्क सिंकल बनाती हैं। बेहतर होगा कि कंप्यूटर पर एंटीग्लेयर कोटिग हो। सनस्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए और बीच-बीच में अपनी आंखे स्क्रीन पर से हटाते रहिए।

8. यदि आप कोई दवा ले रहे हैं तो उसे छोड़िए मत। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए कि लंबे समय तक काम करने के चक्कर में आप अपनी दवा लेना भूल जाएं।

9. लंच ब्रेक या टी ब्रेक के समय सिगरेट पीने वालों के ग्रुप से दूर रहिए। ऐसा नहीं कि आप तो सिगरेट नहीं पीते लेकिन इन लोगों के साथ हंसी-ठट्ठा करने के लिए इनके साथ शामिल हो जाते हैं।

10. लंच में बिना ड्रेसिग वाली सलाद खाएं। हरी पत्तोदार सलाद और टमाटर इसमें जरूर शामिल हो। इनमें खूब मिनरल और विटामिन होते हैं जो स्किन के लिए अच्छा है, कहती हैं डाइटीशियन इति भल्ला। अपने बैग में एक फ्रूट जरूर कैरी करें और इसे खाएं भी।

सजावट सलाद की

हमारे भोजन में सलाद का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं। क्योंकि सलाद पौष्टिकता से भरपूर होता हैं। सलाद में मूली, गाजर, ककड़ी, विविध प्रकार के फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, बींस, धीनया, पूदीना, पार्सले, दालों व चने का उपयोग किया जा सकता हैं।

- सलाद का नियमित सेवन करने से कब्ज जैसी बीमारी से छुटकारा मिल जाता हैं।
- सलाद खाने से आंखों की ज्योति बरकरार रहती हैं। और चेहरे पर चमक आती हैं।
- सलाद पचने में आसान होता हैं। तथा कैलोरी की मात्रा कम होने से इस का भरपूर सेवन किया जा सकता हैं।
- सलाद की ड्रेसिंग के लिए ज्यादातर तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन यदि आप तेल का प्रयोग न करना चाहें तो स्किम्ड मिल्क के दही की सौस या विविध फलों के गूदों से बनी सौस का प्रयोग कर के सलाद को रूचिकर बना सकते हैं।
- सलाद को सजाने के लिए सिरका, नींबू का रस, मस्टर्ड चटनी, नमक व कालीमिर्च का प्रयोग करते हैं। भुने सफेद तिल,भुनी मूंगफली व भुनी चने का प्रयोग कर के सलाद की गुणवत्ता को कई गुना बढ़ाया जा सकता हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%		Island Position - 50%		Strip Advt. - 15%	
Front Page (Solus) - 75%		Right Hand Page - 10%		Political Advt. - 50%	
Back Page - 25%		Top of AD Column - 15%		Pull Outs - 50%	
Page Three - 20%		Any Other Spl. Position - 10%		Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

प्रियदर्शन की फिल्म में वन्य संरक्षक जिम से प्रेरित किरदार करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों की साथ में यह 9वीं फिल्म 1960 के दशक के भारत की पृष्ठभूमि पर बनी लाइट-हार्टेड कॉमिक थ्रिलर होगी। फिल्म में अक्षय का किरदार प्रसिद्ध शिकारी और वन्यजीव संरक्षक जिम कॉर्बेट से प्रेरित होगा। वह एक ट्रैकर और शिकारी की भूमिका में दिखेंगे, जो गांव को आदमखोर बाघों और तेंदुओं से बचाने के लिए हथियार उठाता है। बाद में जंगलों की कटाई और शिकारियों की क्रूरता देखकर उसका नजरिया बदलता है और वह जानवरों व प्रकृति का संरक्षक बन जाता है।

रियल लोकेशन पर होगी शूटिंग

अक्षय स्टारर इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी शूटिंग का तरीका होगा। प्रियदर्शन ने इस प्रोजेक्ट में भारी एआई या आर्टिफिशियल ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है। राजस्थान और गुजरात के घने जंगलों में स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में इसकी शूटिंग की जाएगी। दर्शकों को स्क्रीन पर असली लोकेशन और जंगल का अनुभव मिलेगा। बता दें कि हालिया डार्क थ्रिलर 'हैवान' के बाद यह जोड़ी एक बार फिर रोमांच और कॉमेडी का नया कॉम्बिनेशन लाएगी।

अगले साल से शुरू होगी शूटिंग, कास्टिंग जारी है

अक्षय की इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अक्टूबर में लोकेशन तलाशने के काम के साथ शुरू होगा, जबकि शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू की जाएगी। फिलहाल हीरोइन के लिए कास्टिंग की प्रोसेस जारी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी सिर्फ आदमखोर जानवरों के शिकार और एक्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जंगल, वन्यजीव और इंसान के बीच बदलते रिश्ते को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

'हैवान' के लिए भी अक्षय ही आगे आए थे...

वहीं अक्षय-प्रियदर्शन की 'हैवान' भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। प्रियदर्शन ने कहते हैं...'इस फिल्म की स्क्रिप्ट कई एक्टर्स के पास से गुजरी, सभी ने इंकार कर दिया था, मगर अक्षय ने इस रोल के लिए खुद इसमें रुचि दिखाई। जबकि मैंने कभी अक्षय को लेने के बारे में नहीं सोचा था। वह खुद आगे आए और इसका हिस्सा बन गए।'

'समुक' में रुक्मिणी मैत्र की हुई एंट्री

अक्षय के खाते में एक और फिल्म 'समुक' है, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। अब रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में उनके अपोजिट बंगाली एक्ट्रेस रुक्मिणी मैत्र को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'सनक' और 'इनसाइड एज' का निर्देशन किया है। 'समुक' एक सर्वाइवल हॉरर-एलियन थ्रिलर है। इस फिल्म को इंटरनेशनल स्केल पर तैयार किया जा रहा है।

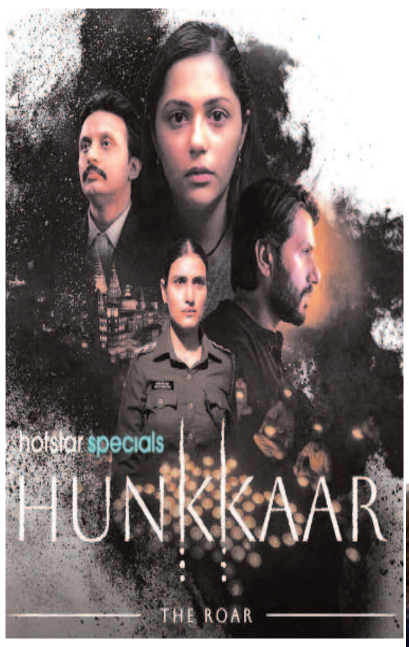

हुंकार : शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फ्रेंच-इंडियन फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी पल्लवी शारदा

अभिनेत्री पल्लवी शारदा जल्द ही फ्रेंच-इंडियन रोमांस फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि सिनेमा दुनिया का एक ऐसा अजूबा है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी एक्टर्स को क्रिएशन के भंवर में खींच लेता है। पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर पब्लिकेशन की तरफ से गई अनाउंसमेंट को शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस फिल्म में सायली नाम की एक तलाकशुदा महिला के किरदार में नजर आएंगी, जो भारत में रहती है और जिसे अपने पिता की सफल कंपनी को संभालने के लिए तैयार किया गया है। पेरिस की एक ट्रिप के दौरान उसे लियो से प्यार हो जाता है, जो एक डिलीवरी ड्राइवर है और एक्टर बनने का सपना देखता है। उनके रिश्ते की परीक्षा परिवार के दबाव, क्लास के फर्क और फ्रांस-भारत में उनकी जिंदगियों को अलग करने वाली आर्थिक और सांस्कृतिक हकीकतों से होती है।

अभिनेत्री फिल्ममेकर रोहेना गेरा के साथ अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए लिखा, 'आप फिल्म बनाते और बेचते हैं। यही तरीका है, लेकिन किसी भी फिल्म के मूल में एक आइडिया, एहसास, वाइब्रेशन होता है। हम बस उसे जिंदा करने में मदद करते हैं। इस फिल्म से पहले जब भी मुझे रोहेना के साथ जूम पर बात करने का मौका मिला, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि हमने एक महिला के तौर पर अपने एहसासों और हमारे आसपास की कहानियों पर गहराई से बात की, जो अलग-अलग देशों और संस्कृतियों में काम कर रही हैं।' उन्होंने लिखा, 'लगातार दो संस्कृतियों के बीच झूलने की अजीबोगरीब स्थिति को समझने की कोशिश की। फिल्में एक अजीब दुनिया हैं। ये आपको क्रिएशन के भंवर में खींच लेती हैं, जिसका एहसास कैमरा बंद होने के बाद भी उतना ही रहता है। सेट के बीच के ठहराव में कभी-कभी खालीपन, बेचैनी महसूस होती है लेकिन साथ ही सब कुछ जुड़ता भी है। एक एक्टर के लिए हर फिल्म का अनुभव आपको अपने अंदर इतना गहरा ले जाता है कि उसे समझने के लिए बीच में ठहराव की जरूरत होती है। मैं अभी भी इस फिल्म को समझ रही हूं।'

'द रिवोल्यूशनरीज' ने एक्ट्रेस के तौर पर मेरी परीक्षा ली

एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने बताया कि 'द रिवोल्यूशनरीज' उन प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनसे बहुत कुछ करने की उम्मीद की गई थी। प्रतिभा ने रविवार को 'प्रतिभा लाहिड़ी' का किरदार निभाने और उससे मिली सीख के बारे में एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी 'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में बिना भावुक हुए बात कर पाऊंगी। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसने एक एक्टर के तौर पर मुझसे बहुत कुछ मांगा और बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया। मुझे ऐसे सीन करने को मिले, जो मैं हमेशा से करना चाहती थी, ऐसे सीन जिन्होंने मेरी परीक्षा ली, मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और मुझे खुद के उन पहलुओं को खोजने में मदद की, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि मैं उन्हें किसी किरदार में ला सकती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रतिभा लाहिड़ी के जरिए मुझे ऐसी महिलाओं को महसूस करने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका मिला जो गहराई से प्यार करती हैं, बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाती हैं, और फिर भी आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का रास्ता ढूंढ लेती हैं। महिलाएं जिस तरह से अपनी जिंदगी को संभालकर रखती हैं, उसमें एक शांत मजबूती होती है, और प्रतिभा के जरिए उस पहलू को समझने का मौका मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' प्रतिभा ने इस किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए डायरेक्टर निखिल आडवाणी का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा, 'निखिल आडवाणी, प्रतिभा का किरदार मुझ पर सौंपने और मुझे इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया। जब मैं अपने पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड और जिस तरह से सब ने मेरा हौसला बढ़ाया, उसके बारे में सोचती हूं तो मैं अब भी भावुक हो जाती हूं। निखिल सर, आपको मेरे लिए चीयर करते और उस पल को मेरे साथ सेलिब्रेट करते देखना एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूंगी।' इस शो के म्यूजिक के बारे में बात करते हुए प्रतिभा ने बताया कि 'और आएंगे' इस सीरीज के उनके सबसे पसंदीदा गानों में से एक है।

प्रतिभा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अब भी सब कुछ महसूस कर रही हूं। अब भी थोड़ी भावुक हूं और सबसे ज्यादा इस प्रोजेक्ट, इस किरदार, इस टीम और 'द रिवोल्यूशनरीज' को मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूं।'

हमें ऐसी कहानी चाहिए जो आज भी मायने रखने वाली साधारण और खूबसूरत बातों की याद दिलाएं

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस मानसी पारेख, जो अपनी आने वाली गुजराती फिल्म 'मित्रता: फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने उन कहानियों की अहमियत के बारे में बात की है, जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीजों की याद दिलाती हैं जो आज भी मायने रखती हैं। इस फिल्म में विराज घेलानी, दीप वैद्य और विशाल पारेख भी हैं। यह दोस्ती के विषय पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया, जिसमें 3 दोस्तों की जिंदगी और उनके बीच के रिश्तों को दिखाया गया है। फिल्म दोस्ती के कई पहलुओं और जिंदगी के बदलते दौर में मजबूत होने वाले रिश्तों को दिखाती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने कहा, 'मित्रता' के केंद्र में एक बहुत ही सरल और आम भावना है: दोस्ती। आज के निराशावादी दौर में हमें ऐसी कहानियों की जरूरत है जो हमें उन सरल, खूबसूरत चीजों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने हमारे अलग-अलग रूप देखे हैं और हर हाल में हमारे साथ रहे हैं। ओनिल ने उस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है, जो मनोरंजक, गर्मजोशी से भरी और भावनाओं से भरपूर है। हम आखिरकार दर्शकों के साथ 'मित्रता' की दुनिया को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।' यह फिल्म उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर 'झमकूड़ी' के बाद एक्ट्रेस और उनके (को-स्टार) के फिर से साथ आने का मौका है।

विराज घेलानी ने कहा, 'दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहां आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात 'मित्रता' को इतना अपना-सा बनाती है। फिल्म में दोस्तों के ग्रुप से उम्मीद की जाने वाली मजाक-मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन इसमें कुछ शांत पल भी हैं जो आपको याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। सेट पर हम सभी के बीच की एनर्जी बहुत नैचुरल थी, और मुझे लगता है कि यह ट्रेलर में भी झलकती है। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक इन किरदारों से मिलें और उनके सफर का अनुभव करें।' फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कंपोज किए गए 'मित्रता एंथम' के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है, जो कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है। गाने की लाइन 'तारी मारी दोस्ती' सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है और दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट कर रहे हैं। सोल सूत्र द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म के डायरेक्टर ओनिल कार्निक हैं, इसे पार्थिव गोहिल और मानसी पारेख ने प्रोड्यूस किया है, और यह 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

12 डिग्रियां लेकर दुनिया के सबसे पढ़े लिखे इंसान बनने की राह पर न्यूजीलैंड के बीटन

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 31 वर्षीय जेमी बीटन दुनिया के सबसे अधिक शिक्षित लोगों में शामिल होने की राह पर हैं। हार्वर्ड, येल, ऑक्सफोर्ड, स्टैनफोर्ड और प्रिंसटन जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से वह अब तक 12 उच्च डिग्रियां हासिल कर चुके हैं और उनकी पढ़ाई अभी जारी है। इससे पहले सबसे अधिक डिग्रियां हासिल करने वालों में बेंजामिन बी. बोल्गर के नाम 16 और माइकल निकोलसन के नाम 30 से अधिक डिग्रियां बताई जाती हैं। बीटन ने हाईस्कूल के अंतिम वर्ष में जरूरी पाठ्यक्रमों से दोगुने से अधिक विषय पढ़े और हार्वर्ड, येल व प्रिंसटन समेत 25 विश्वविद्यालयों में दाखिला मिला। 2016 में उन्होंने हार्वर्ड से मैग्ना कम लाउड सम्मान के साथ पढ़ाई पूरी की। फिलहाल वह ब्राउन यूनिवर्सिटी से डाटा साइंस में मास्टर की पढ़ाई भी कर रहे हैं। बीटन ने पढ़ाई के साथ क्रिमसन एजुकेशन की स्थापना की, जो छात्रों को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी में मदद करती है। कंपनी में उनके अनुसार करीब 1,200 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं और अब तक करीब 10 हजार छात्र इसकी सेवाएं ले चुके हैं। बीटन का कहना है कि शुरुआती पांच डिग्रियां कौशल हासिल करने के उद्देश्य से थीं, लेकिन इसके बाद वह बढ़ते गए।

सिंगापुर में अब 15 मिनट किताब पढ़ो...पैसे पाओ

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर अपने नागरिकों की लगातार स्क्रीन से चिपके रहने की बुरी आदत (डूमस्क्रॉलिंग) छुड़ाने के लिए दिन में कम से कम 15 मिनट किताब पढ़ने के एवज में पैसे दे रहा है। इस समृद्ध देश ने इसी महीने शुरू की गई इस रणनीति को गेमिफिकेशन नाम दिया है। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से लोगों की एकाग्रता, सोच-समझकर फैसला लेने की क्षमता और कल्पनाशीलता बेहतर होगी। योजना के तहत, पढ़ने वालों को कुछ अंक मिल रहे हैं जिन्हें सेंट के बदले भुनाया जा सकता है। लोगों को 80 सेंट यानी एक डॉलर पाने के लिए एक सरकारी वेबसाइट पर रोजाना 50 रीडिंग सेशन लॉग करने होंगे। 15 मिनट के हर रीडिंग सेशन के लिए 20 वर्चुअल क्वाइन मिलेंगे और एक डॉलर के पेमेंट के लिए 1,000 क्वाइन की जरूरत होगी। नेशनल लाइब्रेरी बोर्ड की प्रमुख मेलिसा टैम ने कहा कि पढ़ने की आदतें छोटे और आसानी से पूरे किए जा सकने वाले कदमों से बनती हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां कंटेंट, जानकारी और प्रेरणा की भरमार है। हम जानते हैं कि आदतें छोटे-छोटे, लगातार किए जाने वाले काम से बनती हैं।

खाड़ी में जहाज पर हमला

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी जहाज पर हमला होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका के एक किराए के जहाज पर हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह हमला ईरानी ड्रोन और मिसाइल के जरिए किया गया। इस घटना में जहाज के चालक दल के कुछ सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। हमले के समय जहाज पर कई अमेरिकी नागरिक भी मौजूद थे। घायल कर्मचारियों का इलाज खाड़ी देश के अस्पताल में चल रहा है। इस हमले को लेकर अभी तक अमेरिका या ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूडान में बड़ा हादसा: सोने की खदान ढहने से अब तक 82 लोगों की मौत, मलबे में दबे कई लोगों की तलाश जारी

नुहुद , एजेंसी। सूडान के एक दूरदराज इलाके में सोने की एक अवैध खदान ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। स्थानीय अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के मुताबिक, बुधवार को बचावकर्मी सीमित उपकरणों के बीच मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे। कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। बचे लोगों के मुताबिक, हादसा पश्चिम कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर में स्थित अल-जारा सोने की खदान में हुआ। यह इलाका अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के नियंत्रण में है। आरएसएफ तीन साल से अधिक समय से सूडानी सेना के खिलाफ लड़ रहा है।आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने बताया कि बुधवार दोपहर तक बचावकर्मियों ने 82 शव बाहर निकाले थे। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'लेकिन दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह हादसा वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर स्थित अल-जारा सोने की खदान में हुआ। बचे लोगों के मुताबिक, खदान मंगलवार देर रात अचानक ढह गई।

'खुद कानून तोड़ने वाली ताकतें सुरक्षा परिषद में': यूएन में सुधार पर बोले गुटेरेस- बिना सजा नियम तोड़ रहे देश

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि जो वैश्विक शक्तियां खुद अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं। वे ही सुरक्षा परिषद में बैठी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 15 देशों वाले इस वैश्विक संगठन में सुधार सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

महासचिव गुटेरेस ने क्या कहा : महासचिव गुटेरेस ने सत्ता के पुनर्वितरण की जरूरत पर भी जोर दिया। गुटेरेस ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, 'साफ बात यह है कि हमारे बीच भू-राजनीतिक मतभेद हैं। इन मतभेदों के बीच ऐसी ताकतें हैं जो खुद अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करती हैं और सुरक्षा परिषद में शामिल हैं। जैसा कि हम जानते हैं, इसी वजह से सुरक्षा परिषद ठप पड़ी है। यही कारण है कि सुरक्षा परिषद में सुधार को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसी सुरक्षा परिषद को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिसका स्वरूप आज की दुनिया के बजाय कई दशक पुरानी दुनिया को दर्शाता हो।'

पैरालिसिस से किया तुलना : यूएन प्रमुख ने यूएम जनरल असेंबली के 81वें सेशन के हाई-लेवल वीक की शुरुआत से पहले वर्ल्ड हेडक्वार्टर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'और यह एक तरह का 'पैरालिसिस' (ठहराव या बेअसर होने की स्थिति) है।' गुटेरेस ने कहा कि यूएन सुरक्षा परिषद के ठप पड़ने से ऐसी स्थिति बन गई है कि दुनिया भर के हर देश को लगता है कि उन्हें अपनी मर्जी का कुछ भी करने का हक है।' क्योंकि सबसे बड़ी

ताकतों का उदाहरण अच्छा नहीं है। वे जानते हैं कि वे बिना किसी सजा के ऐसा कर सकते हैं क्योंकि सिक्योरिटी काउंसिल खुद बेअसर हो चुकी है। 'बिना किसी सजा के बच निकलने की इसी छूट ने ऐसा माहौल बना दिया है जिसमें हम देख रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा देश अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, और वे ऐसा बिना किसी डर या सजा के कर रहे हैं। एक बात साफ है। यह मामला असल में ताकत का है। बात यह है कि हमारी दुनिया में ताकत का बंटवारा और उसका इस्तेमाल जिस तरह से होता है, उसकी वजह से बहुपक्षीय संस्थाएं असरदार ढंग से काम नहीं कर पातीं।'

ब्रिक्स को लेकर क्या बोले : एक और सवाल के जवाब में कि क्या वह ब्रिक्स जैसे संगठनों को पावर शिफ्ट (सत्ता के बदलाव) को दिखाने के मामले में मौजूदा व्यवस्था के पूरक या विकल्प के तौर पर देखते हैं। गुटेरेस ने कहा कि आज की संस्थाएं कई दशक पहले के पावर रिलेशन (सत्ता के संबंधों) को दिखाती हैं, जिनमें से ज्यादातर दूसरे विश्व युद्ध के समय बनी थीं। लेकिन दुनिया बदल रही है, और हम नई ताकतों का उदय देख रहे हैं। और आज, अगर ग्लोबल इकॉनमी (वैश्विक अर्थव्यवस्था) को देखें, तो हर दिन ग्लोबल जीडीपी में विकसित देशों का हिस्सा थोड़ा कम हो रहा है। हर दिन ग्लोबल जीडीपी में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का हिस्सा थोड़ा बढ़ रहा है। बता दें कि एक हफ्ते तक चलने वाली आम बहस, जिसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख, विदेश मंत्री, नेता और दूत यूएन मुख्यालय में इकट्ठा होंगे। यह 22 सितंबर को शुरू होगी। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल में मशहूर हरे पोडियम से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। गुटेरेस के लिए यह संयुक्त राष्ट्र महासभा का आखिरी हाई-लेवल हफ्ता होगा, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर उनका दूसरा पांच साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है।

राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों में क्या सीखा : जब उनसे पूछा गया कि दुनिया के सबसे बड़े राजनयिक के तौर पर बीते 10 वर्षों से उन्होंने क्या सबक सीखा है, तो गुटेरेस ने कहा, 'मैंने यह सबक सीखा है कि जब दुनिया तेजी से मल्टीपोलर (कई ध्रुवों वाली) होती जा रही है, तो मल्टीलेटरल (बहुपक्षीय) संस्थाओं में सुधार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि वे संस्थाएं शांति, विकास और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के मामले में असरदार बन सकें।

पाकिस्तान में ताक पर कोर्ट का आदेश! इमरान खान की बहनों को फिर झटका, अदियाला जेल प्रशासन ने मिलने से रोका

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहनों की मुलाकात एक बार फिर नहीं हो सकी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अदियाला जेल प्रशासन ने अलीमा खान, उज्मा खान और उनके वकीलों को मुलाकात की अनुमति नहीं दी। मामले को लेकर जेल प्रशासन पर न्यायालय के आदेशों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं, जबकि परिवार ने इसे न्यायिक प्रक्रिया के उल्लंघन का मामला बताया है। वकील अवैस यूनस चौधरी ने बताया कि इमरान खान की बहनें और छह वकील उनसे मिलने के लिए जेल पहुंचे, लेकिन उन्हें एक बार फिर मिलने की इजाजत नहीं दी गई। चौधरी के हवाले से 'डॉन' ने लिखा, 'बहनें शाम 6:30 बजे के बाद भी वहां इंतजार करती रहीं, लेकिन उन्हें मुलाकात की मंजूरी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। आईएचसी ने आदेश दिया है कि इमरान खान के परिवार और वकीलों के साथ मंगलवार को और पार्टी नेताओं के साथ गुरुवार को मुलाकात कराई जाए, लेकिन कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है।' मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से अदालतें इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर रही हैं।

ईरान ने की शी जिनपिंग के शांति सिद्धांतों की तारीफ, रणनीतिक संतुलन पर दिया जोर

बीजिंग, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बताए शांति के चार सिद्धांतों को बहुत ही अहम बताया। अपनी चीन यात्रा के दौरान अराघची ने वहां के सहयोगियों के साथ हुई बातचीत को भी सफल बताया। अराघची ने 'एक?स' पर पोस्ट किया, ''चीन में हमारे सहयोगियों के साथ सफल बातचीत हुई। ईरान उस रणनीतिक साझेदारी को अहमियत देता है जो हमने समय के साथ बनाई है। आज लिए गए फैसले इस क्षेत्र में भविष्य के रणनीतिक संतुलन को तय करेंगे और इनके दूरगामी असर होंगे। राष्ट्रपति शी की ओर से शांति के लिए बताए गए चार सिद्धांत बहुत अहम हैं।'' इससे पहले चीन के विदेश मंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की सेंट्रल कमेटी के पॉलिटिकल ब्यूरो सदस्य वांग यी ने बुधवार को अराघची से मुलाकात की। चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने बताया कि चीन की राजधानी में अराघची से मुलाकात के दौरान वांग ने कहा, 'ईरान के साथ बातचीत और सहयोग को मजबूत करने और ईरान के जायज अधिकारों और हितों की रक्षा करने को चीन तैयार है।' चीन के विदेश मंत्री ने ईरानी समकक्ष के साथ बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने का भी आग्रह किया। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बीजिंग में बुधवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने अपने ईरानी समकक्ष से कहा कि चीन चाहता है कि ईरान और

अमेरिका को आपसी चिंता के मुद्दों पर ठोस बातचीत करने के लिए तैयार हों। वांग ने कहा, 'हम सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे होर्मुज स्ट्रेट को जल्द से जल्द फिर से खोलने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।' उन्होंने कहा कि चीन नहीं चाहता कि क्षेत्रीय तनाव बढ़े और यमन तथा लाल सागर तक फैल जाए।

अराघची ने एक्स पर दी जानकारी : अराघची ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'चीन में हमारे सहयोगियों के साथ सफल बातचीत हुई। ईरान उस रणनीतिक साझेदारी को अहमियत देता है जो हमने समय के साथ बनाई है। आज लिए गए फैसले इस क्षेत्र में भविष्य के रणनीतिक संतुलन को तय करेंगे और इनके दूरगामी असर होंगे। राष्ट्रपति शी की ओर से शांति के लिए बताए गए चार सिद्धांत बहुत अहम हैं।चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने बताया कि चीन की राजधानी में अराघची से मुलाकात के दौरान वांग ने कहा, 'ईरान के साथ बातचीत और सहयोग को मजबूत करने और ईरान के जायज अधिकारों और हितों की रक्षा करने को चीन तैयार है।

गाजा में इजरायली बमबारी में क्षतिग्रस्त बहुमंजिला इमारत गिरी, 11 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत

गाजा , एजेंसी। पश्चिमी गाजा शहर में एक रिहायशी इमारत गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। मृतकों में 11 बच्चे और 6 महिलाएं शामिल हैं। इस हादसे में 25 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि 'अल-सादा' नाम की छह मंजिला इमारत बुधवार तड़के ढह गई। यह इमारत पहले इजरायली बमबारी में क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। यह इमारत निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के मुख्यालय के पास स्थित थी। इस इमारत में लगभग 100 विस्थापित लोग रह रहे थे। स?न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बासल ने कहा कि बचाव टीमों ने 16 घंटे तक चले अभियान के दौरान 45 लोगों को सुरक्षित निकाला और 21 शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि 35 अन्य लोग खुद ही निकलने में सफल रहे। इमारत के मलबे के बाहर दर्जनों शोकाकुल परिजन इकट्ठा हुए। कई लोग अपने हाथों से ही मलबा हटाकर अपने प्रियजनों को खोजने की कोशिश करते दिखाई दिए। 54 वर्षीय लुआय अल-अजला ने इस हादसे में अपने परिवार के लगभग 10 लोगों को खो दिया। फिलिस्तीनी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि बचाव कार्यों के लिए जरूरी भारी मशीनों और उपकरणों को लाने पर इजरायल की पाबंदियों के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहे हैं। गाजा में हमास की ओर से संचालित मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पूरे गाजा पट्टी में 8,500 से अधिक लापता लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। बयान के अनुसार, भारी मशीनरी और बचाव उपकरणों की कमी के कारण उन्हें निकालना मुश्किल हो रहा है। कार्यालय ने हजारों क्षतिग्रस्त इमारतों को टाइम बम जैसा खतरा बताया। महमूद बासल ने चेतावनी दी कि सर्दियों के करीब आने के साथ 2,000 से अधिक रिहायशी इमारतों के गिरने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने 'बोर्ड ऑफ पीस' और युद्धविराम की गारंटी देने वाले देशों से अपील की कि बचाव उपकरणों को गाजा में आने की अनुमति दिलाई जाए।ऐसा न होने पर 'कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

तकनीक: रोबोट ही बना रहे रोबोट, हर 10 मिनट में एक हो रहा तैयार; चीन में दुनिया की पहली फैक्ट्री होने का दावा

बीजिंग, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण नौकरियां कम होने के मुद्दे पर जारी विमर्श के बीच चीन से प्रौद्योगिक विकास की नई तस्वीर आई है। यहां रोबोट ही दूसरे रोबोट के निर्माण में मदद कर रहे हैं। यूबीटेक रोबोटिक्स ने यहां एक नई ह्यूमनॉइड रोबोट फैक्ट्री खोली है। इसकी उत्पादन क्षमता 10 हजार प्रति वर्ष है। दावा है कि इतनी बड़ी उत्पादन क्षमता वाली यह दुनिया की पहली फैक्ट्री है।

गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र के लियूझोउ में स्थित यह फैक्ट्री विनिर्माण प्रक्रिया के कुछ हिस्सों को संभालने के लिए रोबोट का इस्तेमाल करती है। यह हर 10 मिनट में एक इंडस्ट्रियल ह्यूमनॉइड रोबोट बना सकती है। 14,000 वर्ग मीटर में फैली यह फैक्ट्री 13.8 मीटर ऊंची है और मुख्य रूप से यूबीटेक की वाकर एस

और क्रूजर सीरीज के औद्योगिक ह्यूमनॉइड रोबोट बनाती है। इसे यूबीटेक और सीमेंस डिजिटल इंडस्ट्रीज सॉफ्टवेयर ने मिलकर बनाया है।

हर रोबोट का अलग नंबर, अलग काम : फैक्ट्री को एक डिजिटल प्रणाली संचालित करती है जिसे यूबीटेक अपना स्मार्ट ब्रेन कहती है। कंपनी के अनुसार, यह प्रणाली फैक्ट्री के संचालन में मदद करती है... क्या बनाया जाना है, इसका निर्णय लेने से लेकर पुर्जों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने और तैयार रोबोटों की गुणवत्ता जांचने तक। प्रत्येक रोबोट को अपना अलग सीरियल नंबर भी दिया जाता है।

क्या काम करते हैं रोबोट : यूबीटेक के अनुसार, उसके क्रूजर वाई 1 व क्रूजर एस2 रोबोट सामग्री उतारने, उन्हें व्यवस्थित ढंग से रखने, लोड करने और उत्पादन क्षेत्र में एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने जैसे काम करते हैं।

इंसानी निगरानी न के बराबर : कंपनी का कहना है कि एक ही उत्पादन लाइन पर रोबोट के अलग-अलग मॉडल बनाए जा सकते हैं। पूरी तरह अलग-अलग असेंबली सिस्टम की जरूरत नहीं पड़ती। स्मार्ट और अन्य प्रकार की मशीनें आपस में मिलकर काम करती हैं और इस प्रक्रिया में इंसानों की निगरानी बहुत कम या लगभग न के बराबर होती है।

चार घंटे का परीक्षण : फैक्ट्री से किसी ह्यूमनॉइड रोबोट के बाहर निकलने से पहले उसकी विस्तृत जांच की जाती है। इसमें करीब चार घंटे का समय लगता है। इसके बाद उसकी 360 डिग्री विजुअल इंस्पेक्शन की जाती है। इसमें हर कोण से रोबोट की बाहरी स्थिति और बनावट की जांच की जाती है।

तेजी से बढ़ रहा उत्पादन : चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार, देश में जुलाई में 98,677 औद्योगिक रोबोट बनाए गए जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 30.2 प्रतिशत अधिक है। इस साल के पहले सात महीनों में औद्योगिक रोबोटों का उत्पादन 6,35,056 इकाइयों तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 28.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक का बड़ा फैसला: राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव को दरकिनार कर फेड ने बढ़ाई ब्याज दरें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जिद्दी बनी महंगाई पर लगाम कसने के लिए केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। व्हाइट हाउस के लगातार दबाव को दरकिनार करते हुए फेडरल रिजर्व ने बुधवार को बेंचमार्क ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। वर्ष 2023 के बाद से यह पहला मौका है जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में इजाफा किया है। इस फैसले से न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कम ब्याज दरों की मांग को झटका लगा है, बल्कि इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी देखने को मिल सकता है।

महंगाई पर लगाम लगाने के लिए उठाया सख्त कदम : फेडरल रिजर्व ने मुख्य ब्याज दर (बेंचमार्क रेट) में 25 बेसिस प्वाइंट (0.25 फीसदी) की बढ़ोतरी की है। इस फैसले के बाद अमरीका में मुख्य ब्याज दर बढ़कर लगभग 3.9 फीसदी हो गई है। बैंक के इस कदम का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा, जिससे समय के साथ होम लोन, ऑटो लोन और क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दरें महंगी हो जाएंगी। त्रैमासिक अनुमानों को जारी करते हुए फेड की दर-निर्धारण समिति (एफओएमसी) ने संकेत दिया है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए इस साल के अंत तक ब्याज दरों को एक बार फिर बढ़ाकर 4.1 फीसदी तक किया जा सकता है।

केंद्रीय बैंक ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया, 'आज की नीतिगत कार्रवाई मुद्रास्फीति (महंगाई) को केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य पर समयबद्ध तरीके से वापस लाने में मदद करेगी।'

चुनाव से ठीक पहले आम जनता पर दोहरा बोझ : फेड का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी जनता पहले से ही खाद्य पदार्थों, पेट्रोल-डीजल और आवास की बढ़ती कीमतों से जूझ रही है। अमेरिका में महज सात हफ्ते बाद मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं, और ऐसे में बढ़ती महंगाई चुनावी अभियानों का सबसे मुख्य मुद्दा बन चुका है। ब्याज दरों के बढ़ने से आम उपभोक्ताओं के लिए कर्ज लेना और महंगा हो जाएगा।

चेयरपर्सन केविन वॉश का क्या रुख : यह फैसला फेडरल रिजर्व के नए चेयरपर्सन केविन वॉश के रुख में आए एक बड़े मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नियुक्त किए गए केविन वॉश ने इसी साल मई में फेड अध्यक्ष का पद संभाला था। पिछले साल जब ट्रंप इस पद के लिए उनके नाम पर विचार कर रहे थे, तब वॉश ने कई बार संकेत दिए थे कि फेड ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। उन्होंने कम ब्याज दरों की राष्ट्रपति ट्रंप की मांग का समर्थन भी किया था। हालांकि, पद संभालने और लगातार ऊंची बनी महंगाई के आंकड़ों के बीच वॉश ने राजनीतिक दबाव के बजाय केंद्रीय बैंक की नीतिगत स्वायत्तता और महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी है।

यूरोपीय संघ: 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगे रोक, सख्त नियमों का रखा प्रस्ताव

ब्रुसेल्स , एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। 27 सदस्यीय देशों के संघ ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन बुधवार को स्ट्रासबर्ग में स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन पर अपने सालाना भाषण के दौरान 13 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और चैटबॉट इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा। इससे बड़ी उम्र के किशोरों के लिए भी कड़े नियम प्रस्तावित किए हैं।

लेयेन ने कहा कि कई लोग बड़ी टेक कंपनियों की ताकत को बहुत अधिक मानते हुए उसे कम करना नामुमकिन मानते हैं, लेकिन हम इससे सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि कि बच्चों को लत लगाने वाले फीचर्स, अत्यधिक उग्र सामग्री, लड़कियों की फोटो का इस्तेमाल, एआई से बनाई गई यौन तस्वीरों के खतरे से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने इस तरह के प्रतिबंधों का चरणबद्ध खाका पेश किया।

नियमों पर आज साफ हो सकती है स्थिति : उन्होंने कहा कि 13 से 15 साल के बच्चों को समय-सीमा के साथ अभिभावकों की देखरेख वाले मिनी अकाउंट्स दिए जाएंगे, जबकि 15 से 18 साल के किशोरों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को सुरक्षित डिजाइन उपलब्ध कराना होगा। इस प्रस्ताव को लेकर अधिक जानकारी गुरुवार को आने की उम्मीद है।

एआई पर कनाडा-ब्रिटेन का लेगा सहयोग : यूरोपीय संसद के सबसे बड़े समूह के प्रमुख मैनफ्रेड वेबर ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया एल्गोरिदम बंद करने का विकल्प देने का भी प्रस्ताव रखा। लेयेन ने एआई पर कनाडा और ब्रिटेन के साथ सहयोग से मिलकर काम करने की बात कही, जिसमें मॉडल मूल्यांकन, सत्यापन, शुरुआती चेतावनी और एआई सुरक्षा शामिल हैं। ईयू ने यह कदम स्पेन, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका की बच्चों के हित में सोशल मीडिया कंपनियों की नकलें कसने की पहलों के बाद उठाया है। प्रस्ताव के मुताबिक ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन समेत सभी 27 देशों में 13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों को केवल माता-पिता की निगरानी और नियंत्रण वाले मिनी अकाउंट इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

ट्रंप प्रशासन का फैसला: गोरों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर होगा एक्शन, दक्षिण अफ्रीकी अफसरों पर लगाया बैन

केप टाउन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एक नई घोषणा की। प्रशासन का कहना है कि वे उन अधिकारियों के यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगा, जिनके बारे में यह दावा है कि वे दक्षिण अफ्रीका में गोरों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ भेदभाव के लिए जिम्मेदार हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने क्या कहा : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को कहा कि वह उन विदेशी नागरिकों के अमेरिकी वीजा रद्द कर देंगे या वीजा आवेदनों को अस्वीकार कर देंगे, जो दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक जातीय और नस्लीय समूहों के खिलाफ बिना मुआवजे के भूमि अधिग्रहण, नस्ल-आधारित भेदभाव और हिंसा भड़काने की अनुमति देने वाले कानूनों और नीतियों को लागू करने या उनका पालन करने के लिए जिम्मेदार या इसमें शामिल पाए जाते हैं। रुबियो ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका इस तरह के व्यवहार को बेरोकटोक नहीं चलने देगा। ये कार्रवाइयां सीधे तौर पर शांति, आर्थिक स्थिरता और कानून के शासन को कमजोर करती हैं। ये अमेरिका की विदेश नीति के मूल सिद्धांतों के विपरीत हैं।'

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने क्या कहा : दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने श्वेत लोगों के खिलाफ भेदभाव के अमेरिकी आरोपों को

दृढ़ता से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल सत्ता में लौटने के बाद से प्रशासन की ओर से किए गए दावे निराधार और गलत सूचना का परिणाम हैं।

क्या अधिकारियों की पहचान हुई है : रुबियो ने उन अधिकारियों की पहचान नहीं की जिन्हें यात्रा प्रतिबंधों के तहत निशाना बनाया जाएगा। हालांकि दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक श्वेतों के एक लॉबी समूह ने पहले अमेरिका से अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पार्टी के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था, जो दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा की पार्टी है और दक्षिण अफ्रीका की संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

दक्षिण अफ्रीका ने क्या दावा किया : यह ट्रंप प्रशासन का दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध लगाने का ताजा कदम है। दक्षिण अफ्रीका का दावा है कि वहां की अश्वेत-नेतृत्व वाली सरकार गोरों, और खासकर अफ्रीकनर समुदाय के साथ भेदभाव कर रही है। अफ्रीकानर मुख्य रूप से डच और फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रवासियों के वंशज हैं, जो पहली बार 17वीं शताब्दी में दक्षिण अफ्रीका आए थे। वे दक्षिण अफ्रीका की पिछली नस्लीय भेदभाव प्रणाली के केंद्र में थे। दक्षिण अफ्रीका की 62 मिलियन आबादी में लगभग 45 लाख श्वेत लोग हैं, जिनमें ब्रिटिश या अन्य मूल के श्वेत लोग भी शामिल हैं। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में गोरों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोधी रुख के सबूत के तौर पर कुछ विवादित कानूनों और नीतियों का हवाला दिया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका का वह विवादित कानून शामिल है, जो कुछ खास हालात में बिना किसी मुआवजे के इस्तेमाल न हो रही निजी जमीन को जब्त करने की इजाजत देता है। इसके साथ ही, अश्वेतों और अन्य लोगों के लिए अवसर बढ़ाने वाली 'अफरमेटिव एक्शन' (सकारात्मक कार्रवाई) नीतियां और गोरे किसानों के खिलाफ हिंसा की कुछ घटनाएं भी इसमें शामिल हैं।

ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीका के उस कदम की भी कड़ी आलोचना की है, जिसमें उसने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में एक बेहद संवेदनशील मामले के तहत अमेरिकी सहयोगी इस्राइल पर गाजा में फिलिस्तीनियों के नरसंहार का आरोप लगाया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)